वार्षिक 300/- रूपए
website : www.vhp.org

मूल्य 15 रूपए
कुल पृष्ठ - 28

राष्ट्रीय पुनर्जागरण का पाक्षिक

हिन्दू विश्व

जनवरी 01-15, 2026

इतिहास की चेतावनी

जोगेंद्रनाथ मंडल से सीख और आज की सतर्कता

@eHinduVishwa
/HinduVishwa

विश्व हिन्दू परिषद
केन्द्रीय प्रन्यासी मण्डल बैठक, हस्तिनापुर-मेरठ (उत्तर प्रदेश)

हिन्दू विश्व

राष्ट्रीय पुनर्जागरण का पाक्षिक

01-15 जनवरी, 2026
पौष कृष्ण - शुक्ल पक्ष
पिंगल संवत्सर
वि. सं. - 2082, युगाब्द- 5127

सम्पादक
विजय शंकर तिवारी

सह सम्पादक
मुरारी शरण शुक्ल
मो. - 7217685539

परामर्शदाता
सर्वश्री राजेन्द्र शर्मा,
विजय कुमार,
रवि पराशर

व्यवस्थापक
श्री दूधनाथ शुक्ल
मो. - 09582555152

सज्जा
श्री महेश कुशवाहा

कार्यालय :
'हिन्दू विश्व'
संकटमोचन आश्रम, प्रभाग - 6
रामकृष्णपुरम्,
नई दिल्ली-110022-05
दूरभाष : 09582555152

011-26178992, 011-26103495
hinduvishwa@gmail.com

- : मूल्य :-

विदेशों के लिए	$ 75 USD
वार्षिक डाक व्यय सहित	
एक प्रति	15/-
वार्षिक	300/-
त्रिवर्षीय	750/-
पंचवर्षीय	1,200/-
दसवर्षीय	2,250/-
पन्द्रह वर्षीय	3,100/-

पत्रिका की सदस्यता हेतु क्यूआर कोड स्कैन करें, उसका स्क्रीन शॉट और अपना पता व्यवस्थापक को 9582555152 नम्बर पर भेजें।

वैधानिक सूचना
- 'हिन्दू विश्व' में प्रकाशित सामग्री लेखकों के निजी विचार हैं। सम्पादक एवं प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
- 'हिन्दू विश्व' से सम्बन्धित सभी वाद प्रकाशन तिथि से 3 महीने के अन्दर केवल नई दिल्ली स्थित न्यायालय में होंगे।

कुल पेज - 28

हे विश्व के स्वामी ! मनुष्यों को श्रेष्ठ सम्पदा प्रदान करें, ताकि सेवाभावी व्यक्ति सुख प्राप्त कर सकें। हम वीर पुत्रों से युक्त हों। गौओं, अश्वों तथा सब प्रकार के सेवकों और पशुओं से समृद्ध बनाने के लिए दिव्य शक्तियाँ हमारे इस यज्ञ को ऋतुओं के अनुसार सम्पन्न करें।
- यजुर्वेद

जिहादी मतान्तरण से ही उपजा है बाँग्लादेश संकट, घर वापसी ही निदान है 05

सर्दियों में अवश्य सेवन करें	06
केन्द्रीय प्रन्यासी मण्डल बैठक	07
धार्मिक अल्पसंख्यक की योग्य एवं तार्किक परिभाषा करने की आवश्यकता	23
देश में जिहादी चुनौतियाँ और उनका समाधान	24
मन्दिर की दानराशि एवं चल-अचल सम्पत्ति का उपयोग हिन्दू समाज के लिए ही हो	25
राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के 150 वर्ष	26

सुभाषित

नीतिज्ञा नियतिज्ञा वेदज्ञा अपि भवन्ति शास्त्रज्ञाः।
ब्रह्मज्ञा अपि लभ्या स्वाज्ञानज्ञानिनो विरलाः।।

नीति, भाग्य, वेद-शास्त्र यहाँ तक कि ब्रह्मज्ञान को भी जानने वाले बहुत मिलेंगे, पर अपने अज्ञान को जानने वाले बहुत बिरले ही मिलते हैं।

सम्पादकीय

विजय शंकर तिवारी

इतिहास की चेतावनी

जोगेंद्रनाथ मंडल से सीख और आज की सतर्कता

वर्ष 1947 के विभाजन के समय तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (आज का बाँग्लादेश) में हिंदुओं की जनसँख्या लगभग 30 प्रतिशत थी। यह सँख्या केवल आँकड़ा नहीं थी, बल्कि उस भूभाग की साँस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक निरंतरता का प्रमाण थी। परंतु स्वतंत्रता के बाद की राजनीतिक दिशा, धार्मिक कट्टरता और राज्य संरक्षित भेदभाव के कारण यह प्रतिशत निरंतर घटता गया। 1972 तक यह घटकर लगभग 20 प्रतिशत रह गया। आज स्थिति और भी चिंताजनक है। यह गिरावट अचानक नहीं हुई–यह सुनियोजित उपेक्षा, हिंसा, पलायन और विश्वासघात की एक लंबी प्रक्रिया का परिणाम है।

इस ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में जोगेंद्रनाथ मंडल का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वे विभाजन के समय पूर्वी पाकिस्तान में हिंदुओं के प्रमुख नेता थे और पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री भी बने। उन्होंने हिंदुओं से आग्रह किया कि वे अपने घर–बार छोड़कर भारत न जाएँ, यह विश्वास दिलाते हुए कि नए राष्ट्र में उन्हें समान अधिकार और सुरक्षा मिलेगी। अनेक हिंदुओं ने उनके आश्वासन पर भरोसा किया और वहीं रुक गए। परंतु इतिहास गवाह है कि यह भरोसा भारी पड़ा। स्वयं जोगेंद्रनाथ मंडल भी कुछ वर्षों बाद निराश होकर भारत लौट आए, जब उन्हें यह स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तान में हिंदुओं की सुरक्षा और सम्मान की कोई गारंटी नहीं है।

किस प्रकार से एक व्यक्ति की नासमझी और अदूरदर्शिता करोड़ों हिंदुओं की नियति बन गई। मंदिरों पर हमले, संपत्तियों पर कब्ज़ा, जबरन धर्मांतरण, महिलाओं पर अत्याचार और प्रशासनिक उदासीनता–ये सब धीरे–धीरे सामान्य बना दिए गए। परिणामस्वरूप पलायन बढ़ता गया और हिंदू समाज सँख्या और प्रभाव दोनों में कमजोर होता चला गया। जोगेंद्रनाथ मंडल का अनुभव आज हमें यह सिखाता है कि राजनीतिक आश्वासनों से अधिक महत्वपूर्ण जमीनी सच्चाई और दीर्घकालिक सुरक्षा होती है।

आज, भारत में रहते हुए, हमें यह प्रश्न स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या हम इतिहास से सीख ले रहे हैं? दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ लोग–विचारधारा, राजनीति या तथाकथित सेक्युलर नैरेटिव के नाम पर–हिंदू समाज को उसकी वास्तविक चुनौतियों से विमुख करने का प्रयास करते हैं। ये आधुनिक "जोगेंद्रनाथ मंडल" वही गलती दोहराने को प्रेरित करते हैं : खतरे को नकारना, पीड़ित की पीड़ा को कम करके दिखाना और बहुसंख्यक समाज से निरंतर त्याग की अपेक्षा करना।

सतर्कता का अर्थ भय नहीं, बल्कि सजग विवेक है। इसका मतलब है कि हम पड़ोसी देशों में अल्पसंख्यक हिंदुओं की स्थिति को ईमानदारी से देखें, बिना किसी राजनीतिक दबाव के सच्चाई स्वीकार करें और भारत के भीतर भी अपनी सामाजिक, साँस्कृतिक और धार्मिक एकता को सुदृढ़ करें। इतिहास यह बताता है कि जब समाज संगठित, जागरूक और आत्मविश्वासी होता है, तभी वह अपने अधिकारों और अस्तित्व की रक्षा कर पाता है।

हिंदू समाज के लिए आवश्यक है कि वह भावनात्मक बहकावे से ऊपर उठकर तथ्यों पर आधारित दृष्टि विकसित करे। संवाद, लोकतंत्र और कानून के भीतर रहकर अपनी बात रखना हमारा अधिकार है, परंतु आत्मविस्मृति घातक होती है। जो समाज अपने इतिहास की पीड़ा भूल जाता है, वह भविष्य में उसे दोहराने को अभिशप्त है।

बाँग्लादेश का आज का वीभत्स दृश्य केवल अतीत की याद नहीं दिलाता, बल्कि भविष्य के लिए चेतावनी भी देता है। जोगेंद्रनाथ मंडल की कहानी हमें यह ध्यान दिला रही है कि सद्भाव की कामना किससे की जानी चाहिए, कम–से–कम उनसे तो बिल्कुल नहीं कर सकते, जो सम्पूर्ण विश्व को अपनी बर्बरता से इस्लामिक बनाना चाहते हैं। भारत में हिंदू समाज को चाहिए कि वह सजग रहे, संगठित रहे और अपने साँस्कृतिक मूल्यों के प्रति आत्मविश्वास से भरा रहे–यही इतिहास की सबसे बड़ी सीख है।

हिंदू समाज के लिए आवश्यक है कि वह भावनात्मक बहकावे से ऊपर उठकर तथ्यों पर आधारित दृष्टि विकसित करे। संवाद, लोकतंत्र और कानून के भीतर रहकर अपनी बात रखना हमारा अधिकार है, परंतु आत्मविस्मृति घातक होती है। जो समाज अपने इतिहास की पीड़ा भूल जाता है, वह भविष्य में उसे दोहराने को अभिशप्त है।

जिहादी मतान्तरण से ही उपजा है बाँग्लादेश संकट, घर वापसी ही निदान है

मुरारी शरण शुक्ल
सह सम्पादक हिन्दू विश्व

धर्मांतरण के कारण मुस्लिम जनसँख्या बढ़ी, अँग्रेजों के सह से अलगाववादी राग अलापना शुरू हुआ और डायरेक्ट ऐक्शन से आतंकवादी घटनाएँ शुरू हुई, हिंसा से देश जल उठा, अंग्रेज मूकदर्शक बने रहे और जिहादियों के उत्पात के आगे काँग्रेस झुक गई, भारत दो टुकड़ों में बंट गया, पाकिस्तान का जन्म हुआ। कारण सिर्फ और सिर्फ धर्मांतरण था। 1971 में पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए, पश्चिमी हिस्सा पाकिस्तान बना रहा और पूर्वी हिस्सा बाँग्लादेश बना, भाषाई नफरत कारण था, लेकिन भारत के टुकड़ों से ही दो–दो इस्लामिक देश बन चुके थे, वही जिहाद बाँग्लादेश में आज भी सुलग रहा है। 1947 में पूर्वी बाँग्लादेश में 20 प्रतिशत हिन्दू थे किन्तु आज मात्र 12 प्रतिशत हिन्दू ही बचे हैं, बाँग्लादेश में। धर्मांतरण की इस तेज गति के कारण आज बाँग्लादेश में हिन्दुओं की स्थिति बद से बदत्तर होती जा रही है। आये दिन बाँग्लादेश के जिहादी हिन्दुओं पर हमलावर होते जा रहे हैं। हिन्दुओं के जान–माल और सम्मान पर आए दिन हमले होते जा रहे हैं। हिन्दू समाज असहाय, बेबस और लाचार है।

चुनाव को टालने की कोशिश

बाँग्लादेश में चुनाव से ठीक पहले हिंसा का जो दौर शुरू हुआ है, उसने न केवल देश की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है, बल्कि यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह अराजकता चुनाव टालने की कोई गहरी साजिश है? इंकलाब मंच के प्रवक्ता और आगामी चुनाव के संभावित उम्मीदवार शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बाँग्लादेश एक बार फिर सुलग उठा है। 18 दिसंबर 2025 को सिंगापुर में इलाज के दौरान हादी की मौत की खबर आते ही ढाका से लेकर चटगांव तक हिंसा, आगजनी और भारत विरोधी नफरत का ऐसा ज्वार उठा, जिसने प्रशासन को घुटनों पर ला दिया है। सिर्फ राजनीतिक दल ही नहीं, हिन्दुओं पर भी हमले हो रहे हैं। भारतीय उच्चायोग को निशाना बनाया जा रहा है।

स्वामी श्रद्धानंद, स्वामी विद्यारन्य को याद करना होगा

घर वापसी की पूरी प्रक्रिया को समझने और जानने के लिए डीएवी विद्यालय संस्था के संस्थापक स्वामी श्रद्धानंद जी के कतृत्व को समझना होगा। हरिहर और बुक्का राय की घर वापसी कराकर विजय नगर साम्राज्य की स्थापना करने वाले स्वामी विद्यारण्य के जीवन को पढ़ना, समझना और जानना पड़ेगा, तभी आप मतान्तरित हो चुके लोगों की व्यापक स्तर पर घर वापसी करा पायेंगे। इसी से संसार भी सुरक्षित होगा, हिन्दू सुरक्षित होगा और देश की सुरक्षा भी सम्भव हो पायेगी।

हिन्दुओं पर हमले– एथनिक क्लिनसिंग का उदाहरण

बाँग्लादेश में हिन्दुओं पर 2021 से ही सुनियोजित और संगठित रूप से हमले हो रहे हैं, वहाँ से हिन्दुओं का सफाया करने की कोशिश हो रही है। हिन्दुओं की सरेआम हत्या हो रही है, घरों में आगजनी, लूटपाट और बलात्कार की घटनाएँ हो रही हैं। लोगों को जिन्दा जलाया जा रहा है। क्रूरता का हदें पार कर के अत्याचार किया जा रहा है। यह सारी क्रूरताएँ हिन्दुओं की बाँग्लादेश से एथनिक क्लिनसिंग की एक क्रूर कोशिश है।

मुसलमानों की घर वापसी एक समाधान है

मुसलमान बन गए हिन्दुओं को हिन्दू समाज में वापस ले कर आना पड़ेगा, घर वापसी करना होगा। उनके पुरखे हिन्दू थे, यह स्मरण कराना होगा, पुरखों के प्रति संवेदना स्वाभिमान और अपनत्व जगाना पड़ेगा। सबकी घर वापसी ही एकमात्र समाधान है। इस घर वापसी के लिए न केवल हिन्दू संगठनों और कार्यकर्ताओं को लगना होगा, बल्कि पूरे हिन्दू समाज को अपनी परिपक्व सोच के साथ, अपनी और अपने समाज की सुरक्षा की चेतना के साथ समाज में खड़ा होना होगा, इस पुनीत कार्य में लगना होगा।

सीआईए का हाथ है बाँग्लादेशी उत्पात के पीछे

बाँग्लादेश में जिहादियों की नई पौध, जो बाँग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी से जुड़े हुए थे, सीआईए के इशारे पर हमलावर हो गए, बाँग्लादेश की सत्ताधारी पार्टी की सरकार को उखाड़ फेंका, पीएम शेख हसीना को देश छोड़कर भागने पर मजबूर कर दिया। इतना बड़ा उत्पात बाँग्लादेश में करने की हैसियत न बीएनपी की है और न ही कार्यवाहक पीएम यूनुस की। इतना बड़ा संसाधन और ऐसी क्रूरता केवल सीआईए का ही मॉड्यूल है। इसको समझने के लिए सीआईए के अन्य देशों में किए गए तख्तापलट की हरकतों का अध्ययन किया जा सकता है।

सर्दियों में अवश्य सेवन करें

गुड़ : चीनी की जगह गुड़ का सेवन करना बेहतर है। यदि गुड़ का शिरा और शहद का प्रयोग किया जाए, तो शरीर को अधिक गर्मी और खनिज मिलते हैं। बच्चों को उनका मनपसंद खाना गुड़ में बनाना चाहिए।

हरी सब्जियाँ : हरी सब्जियाँ रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकती हैं। पालक और अन्य हरी सब्जियों में पाए जाने वाले कैरोटीनॉयड, बीटा कैरोटीन, ल्यूटिन और अन्य पोषक तत्व प्रतिरक्षा को बढ़ाते हैं और आपको सर्दियों के संक्रमण से बचाने में मदद करते हैं।

खट्टे फल : हमारे रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए विटामिन सी और कई अन्य विशेष पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है और ये पोषक तत्व इस खट्टे फल में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं।

सूखे मेवे : अगर आप अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो सूखे मेवे का भी सेवन कर सकते हैं। बादाम, काजू, अखरोट और किशमिश जैसे सूखे फलों में प्रोटीन, पोटैशियम और कैल्शियम सहित कई आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। सूखे मेवे का सेवन करने से आप सर्दियों में बीमार होने से बच सकते हैं।

अनाज : अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत रखने के लिए अपने आहार में अनाज को शामिल करना महत्वपूर्ण है। यदि आप अपने आहार में साबुत अनाज को शामिल करते हैं, तो यह आपकी प्रतिरक्षा को मजबूत करने में भी मदद करेगा। क्योंकि ये मैग्नीशियम, आयरन, जिंक, विटामिन और प्रोटीन जैसे आवश्यक पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत हैं।

दूध से बने पदार्थ : शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आहार में दूध, दही, पनीर और छाछ जैसे दूध से बने पदार्थ को शामिल करना जरूरी है। दूध से बने पदार्थ कैलसीयम से भरपूर होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

गरम मसाले : मसाले आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाते हैं। ऐसे में आप सर्दियों में अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए अपने आहार में अदरख, हल्दी और दालचीनी को शामिल कर सकते हैं। इसमें सूजन–रोधी गुण होते हैं और यह आपको स्वस्थ रहने में मदद करता है।

सूप : सर्दियों के दौरान गर्म रहने के लिए आप टमाटर और सब्जियों से बने पौष्टिक सूप को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

ताजे और सूखे फल : पपीता और अनानास गर्मी लाते हैं। आंवला विटामिन सी से भरपूर है और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए बहुत अच्छा है। खजूर की प्रकृति गर्म होती है। ये फाइबर, आइरन, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन सी और बी3 का अच्छा स्रोत हैं, बल्कि ये ऊर्जा का भी अच्छा स्रोत हैं।

वनस्पती और बीज : तुलसी एक जड़ी बूटी है, जो सर्दी और बुखार से बचाती है और प्रतिरक्षा को मजबूत करने में मदद करती है। अदरख बहुत गर्म होती है। नींबू और नमक के साथ अदरख के टुकड़े भोजन के साथ खाना आम बात है, जबकि अदरक को चाय, दाल और सब्जियों में मिलाया जा सकता है। गुड़ और घी के साथ छोटी–छोटी कलछी में बना सोंठ का पाउडर सर्दियों की सर्दी से लड़ने के लिए बहुत अच्छा है। तिल के लड्डू और तिल की चिक्की।

जैतून और गोंद : ठंड के दिनों में हड्डियों का दर्द, बदन दर्द, जोड़ों का दर्द बढ़ जाता है। इस दौरान शरीर में मिनरल्स की जरूरत को पूरा करना जरूरी होता है। ऐसे में अगर आप जैतून और गोंद का सेवन करेंगे, तो इससे शरीर को फायदा होगा। मेथी के दानों का सीमित मात्रा में सेवन करने से हड्डियों और जोड़ों के स्वास्थ्य में सुधार होता है।

सफेद और काले तील : शरीर निर्माण के लिए प्रोटीन आवश्यक है। सफेद और काले तिल का सेवन करना चाहिए। मूंगफली, अलसी और केले की चटनी भी आहार में अवश्य होनी चाहिए।

शहद : आप अपने दिन का आरम्भ गरम पानी और शहद से करें। शहद खनिज, विटामिन, फ्लेवोनोइड और एंजाइम से भरपूर होता है, जो आपकी आंतों को साफ रखने में मदद करता है। गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इसके अलावा यह उपाय वजन घटाने के लिए भी प्रभावी माना जाता है।

गर्म पेय : कॉफ़ी का सेवन दिन में दो बार से अधिक न किया जाए। गर्भवती माताओं के लिए प्रसव तक कैफीनयुक्त पेय पदार्थों से बचना बेहतर है। वे इसके बजाय हल्दी दूध, डिकैफ़िनेटेड पेय पदार्थ, सूप आदि का विकल्प चुन सकते हैं। स्तनपान कराने वाली माताओं को एक दिन में 2 कप पीने की अनुमति है। बच्चे कॉफी और चाय से सख्ती से परहेज कर सकते हैं।

केसर : केसर का सेवन आपके शरीर को गर्म रखता है, आपकी त्वचा को मुक्त कणों से बचाता है, वजन घटाने में सहायता करता है और कैंसर और अल्जाइमर को दूर रखता है। कई भारतीय सर्दियों के दौरान केसर दूध का सेवन करते हैं।

विश्व हिन्दू परिषद
केन्द्रीय प्रन्यासी मण्डल बैठक

पौष कृष्ण त्रयोदशी, चर्तुदशी, अमावस्या वि.सं. 2082 तदनुसार 17, 18, 19 दिसम्बर, 2025
जम्बू द्वीप, हस्तिनापुर - 250 404 (उ.प्र.)

महामंत्री प्रतिवेदन (जनवरी से दिसम्बर, 2025)

एक दृष्टिक्षेप में

संगठन – कुल प्रखण्ड–10,303, प्रखण्ड समिति–7,877, सत्संग–26,827, बजरंग दल संयोजक–57,292, मातृशक्ति संयोजिका–8,910, दुर्गावाहिनी संयोजिका–10,798, बलोपासना केन्द्र–1,597, पूर्णकालिक कार्यकर्ता – 554।

कार्य – बाल संस्कार केन्द्र–2,702, संस्कारशालाएँ–1,358, प्रतिभा विकास केन्द्र–1,492 कुल सेवा कार्य : 7,152, गोरक्षा (कसाईयों से बचाया)–2,63,467, परावर्तन–21,467, धर्मान्तरण से बचाया–3,49,927, हिन्दू कन्या रक्षा–10,545, युवाओं को रोजगार–11,654, रामायण परीक्षा (नैतिक शिक्षा) : विद्यार्थी–3,70,762 **पर्यावरण,** वृक्षारोपण – 3,68,631।

कार्यक्रम – समरसता गोष्ठी/सम्मेलन – स्थान–67 उपस्थिति–9,425, समरसता यज्ञ – स्थान–45 उपस्थित संख्या–6,390, रामोत्सव – स्थान–43,842 उपस्थित संख्या–28,07,523, रामनवमी शोभायात्रा स्थान–3,833 उपस्थित संख्या–67,31,257, हनुमान जन्मोत्सव स्थान–6,508 उपस्थित संख्या–21,00,937, सीतानवमी कार्यक्रम स्थान–4,550 उपस्थित संख्या–1,22,650. स्थापना दिवस कार्यक्रम स्थान–29,962 उपस्थित संख्या–15,19,483, दुर्गाष्टमी कार्यक्रम स्थान–18,868 उपस्थित संख्या–5,02,655, मानवंदन कार्यक्रम स्थान–391 उपस्थित संख्या–59,491, शौर्य दिवस यात्रा स्थान–1988 उपस्थित संख्या–1,28,348, शौर्य संचलन स्थान–195 उपस्थित संख्या–1,18,286, गोपाष्टमी कार्यक्रम स्थान–4,852 उपस्थित संख्या–2,16,668, धर्मरक्षा दिवस स्थान–847 उपस्थित संख्या–28,392.

प्रशिक्षण – बजरंग दल वर्ग उपस्थित संख्या–4,778 (4,707), स्थान प्रतिनिधित्व–2,116 (2,036), दुर्गावाहिनी वर्ग उपस्थित संख्या–6,081 (6,712), स्थान प्रतिनिधित्व–2,048 (2,492), मातृशक्ति वर्ग उपस्थित संख्या–2,417 (1685), स्थान प्रतिनिधित्व–1,021 (983), परिषद शिक्षा वर्ग उपस्थित संख्या–1,983 (2,755), स्थान प्रतिनिधित्व–1,124 (909).

बजरंग दल

प्रान्त टोली में कार्यकर्ता	– 276	कुल विभाग	– 339	विभाग संयोजक	– 248
कुल जिले	– 1,131	जिला संयोजक	– 1,048		
जिला टोली पूर्ण	– 545	जिला टोली में कुल कार्यकर्ता	– 3,462	प्रखण्ड संयोजक	– 7,748
कुल इकाईयाँ (जिसमें 20 कार्यकर्ता हों)	– 19,116	कुल संयोजक (इकाईयों सहित)	– 57,292		
साप्ताहिक मिलन	– 9,576	बलोपासना केंद्र	– 1,597		
मासिक बैठक वाले प्रखण्ड	– 2,595	मासिक वर्ग वाले प्रखण्ड	– 1,208		

गत छः माह में कार्यक्रम

	संख्या	संख्या	
युवाओं को रोजगार	5,637	गौवंश रक्षा	1,02,890
हिन्दू कन्या रक्षा	4,879	धर्मान्तरण से बचाया	18,161
परावर्तन (घर वापसी)	3,609	बहुएँ आईं	577

सेवा सप्ताह 1 जुलाई से 7 जुलाई 2025, स्वास्थ्य शिविर और वृक्षारोपण

	संख्या	संख्या			संख्या
शिविर लगे (जिले)	427	शिविर लगे (स्थान)	1,772	शिविर में उपस्थित कार्यकर्ता	13,979
डॉक्टर लगे	3,125	शिविर में जांच लाभार्थी	1,06,803	दवा लाभार्थी	85,567
प्रखंडों में वृक्षारोपण हुआ	3,374	वृक्ष लगे	3,33,741	त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम प्रखंडों में	929
दीक्षार्थी	82,414	बाबा बूढ़ा अमरनाथ यात्री संख्या	6,892		

अखण्ड भारत संकल्प दिवस

प्रखंडों में कार्यक्रम	–	3,735
स्थानों पर संकल्प	–	5,434
संकल्प कार्यक्रम में उपस्थिति	–	3,42,314

हुतात्मा दिवस कार्यक्रम (रक्तदान)

रक्तदान जिलों में	–	499
स्थानों पर	–	936
रक्तदान यूनिट हुआ	–	35,426
रक्तगत सूची में पंजीयन संख्या	–	57,435

संस्कार सप्ताह 9 नवम्बर से 16 नवम्बर – रन फॉर हेल्थ, नशामुक्ति जागरण

प्रखंडों में रन फॉर हेल्थ दौड़ हुई	–	1,354
स्थान	–	1,418
दौड़ कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी आये	–	687
विशिष्ट खिलाड़ी आये	–	283
युवा संत आये	–	3,986
दौड़ने वालों की संख्या	–	1,34,304
नशामुक्ति एवं स्वदेशी की शपथ हुई	–	1,418 कार्यक्रम
केवल नशामुक्ति व शपथ कार्यक्रम हुआ	–	1840 प्रखण्डों में
नशामुक्ति व स्वदेशी की शपथ लेने वाली की संख्या	–	1,82,065
नशामुक्ति शपथ व दौड़ कार्यक्रम	–	3,194 प्रखंडों में
रन फॉर हेल्थ (दौड़) और नशामुक्ति संकल्प गोष्टियों में कुल उपस्थित संख्या	–	3,16,369

मातृशक्ति संगठन :– प्रांत – 40

प्रांत संयोजिका	–	37
सह संयोजिका	–	47
विभाग संयोजिका	–	140
सह संयोजिका	–	30
जिला संयोजिका	–	644
सह संयोजिका	–	590
प्रखंड संयोजिका	–	3365
सह संयोजिका	–	1735
कुल संयोजिका	–	5970
सह संयोजिका	–	2453

कार्य :

सत्संग	–	2920
संस्कार केंद्र	–	1578
रक्षाबंधन स्थान	–	3103
संख्या	–	48452
शक्ति यात्रा स्थान	–	1419
संख्या	–	51872
शक्ति संचलन	–	43
संख्या	–	5,904
शस्त्र पूजा स्थान	–	7,415
संख्या	–	1,91,999
नशा मुक्ति स्थान	–	655
लक्ष्मी बाई जयंती	–	192
संख्या	–	6,874
शस्त्र दीक्षा स्थान	–	77
संख्या	–	2,950
रक्षासूत्र	–	11,716 (मालवा प्रांत)
तीज के दिन मेंहदी लगाई (दिल्ली प्रांत)	–	40 प्रखंडों में
गौपूजा स्थान	–	30 (दिल्ली प्रांत)

सेवा :

संस्कार शाला	–	207
कोचिंग	–	208
सिलाई केंद्र	–	135
मेहंदी	–	66
मंदिर स्वच्छता	–	23
वृक्षारोपण	–	5010 पौधे (मालवा, चितौड़ प्रांत)

दुर्गावाहिनी संगठन :– प्रांत 42

प्रांत संयोजिका	–	39	प्रांत सह संयोजिका	–	52	–	–	–
कुल विभाग	–	316	विभाग संयोजिका	–	121	सह संयोजिका	–	20
कुल जिला	–	983	जिला संयोजिका	–	821	सह संयोजिका	–	590
कुल प्रखंड	–	8,715	प्रखंड संयोजिका	–	3652	सह संयोजिका	–	1,335
अन्य संयोजिका	–	4,782	–	–	–	सह संयोजिका	–	366
कुल संयोजिका	–	8,804	–	–	–	कुल सह संयोजिका	–	1,994

कार्य :

शक्ति साधना केंद्र – 811	मिलन केंद्र – 1185	बाल संस्कार केंद्र – 1067	
रक्षा बंधन कार्यक्रम	स्थान – 3,206	संख्या –	47,258
दुर्गाष्टमी कार्यक्रम–शक्ति यात्रा	स्थान – 394	संख्या –	21,335
शक्ति संचलन.....	स्थान – 323	संख्या –	82,427
शस्त्र पूजन कार्यक्रम	स्थान – 13,787	संख्या –	3,20,172
नशा मुक्ति बौद्धिक	स्थान – 1,300	– –	–
लक्ष्मीबाई जयंती (19 नवंबर)	स्थान – 416	संख्या –	10,122
शस्त्र दीक्षा कार्यक्रम	स्थान – 19	संख्या – 2,491	

सेवा :
संस्कार शाला – 201, कोचिंग सेंटर – 60 सिलाई केंद्र – 83 मेंहदी/ब्यूटीशियन प्रशिक्षण केंद्र–143, अन्यान्य प्रशिक्षण केंद्र–फोटो आर्ट, कार्ड, ड्राइंग का प्रशिक्षण–22

सत्संग

1. संगठन–10400, बजरंग दल–7,830, दुर्गावाहिनी –1,988, मातृशक्ति–3,109, धर्मप्रसार–3,124, सेवा–376
2. **सत्संग विस्तार सप्ताह** (अक्टूबर 26 से 02 नवंबर) – वर्तमान सत्संग दर्शन–6,813. नया सत्संग दर्शन – 2,456, कुल – 9,269 कार्यकर्ता – 2,759
3. **वृक्षारोपण** – जिला – 545, पेड़ लगाए – 29,880
4. **प्रांत सत्संग वर्ग** – प्रांत – 7, संख्या – 426, उपस्थित जिला सत्संग प्रमुख – 46 विभाग वर्ग – उत्तर बंग – 2, संख्या – 98 जिला वर्ग – दक्षिण बंग – 2, संख्या – 77
5. **बाल संस्कार केन्द्र** – सामान्य सत्संग के माध्यम से – 57
6. **सेवा कार्य**

- वाचनालय – प्रांत – 2, जिला – 5, स्थान – 5 लाभार्थी – 3200
- प्याऊ (जल वितरण) – प्रांत 2, जिला – 7, स्थान – 9
- निःशुल्क शिक्षा – प्रांत – 6 जिला – 9, स्थान – 9, लाभार्थी – 650
- मेंहदी प्रशिक्षण – प्रांत – 2, जिला – 2, स्थान – 2, लाभार्थी – 40
- सिलाई केन्द्र – प्रांत – 5, जिला – 12, स्थान – 15 लाभार्थी – 151
- निःशुल्क चिकित्सा – प्रांत – 7, जिला – 7, स्थान – 7, लाभार्थी – 2105
- गरीबों को निःशुल्क भोजन – प्रांत–3, जिला–5, स्थान–5, लाभार्थी–500
- गो सेवा – प्रांत – 1, जिला – 1, स्थान – 1, कुल गोवंश – 500
- मंदिर सफाई – प्रांत – 5, जिला – 7, स्थान – 19

विश्व समन्वय

Vishva Samanvay-International Coordination (Important Activities)

VHP of Australia – The Vishva Hindu Parishad (VHP) of Australia organized the 8th Australian National Hindu Conference on Saturday, 3rd May 2025, in Perth (Western Australia) at the Duxton Hotel, under the theme "Dynamic Communities: Vibrant Australia." The conference was attended by 230 delegates from 30 organizations, along with federal ministers, members of parliament, and mayors. Hindus representing over 20 countries—including Bharat, Nepal, Bhutan, Bangladesh, Mauritius, Indonesia, Sri Lanka, Singapore, Malaysia, Kenya, South Africa, the United Kingdom, Fiji, and others—also participated in the conference.

HOTA Forum of Australia

The VHP NSW Chapter, Sydney, Australia, held its HOTA Forum meeting on 1st June 2025 with delegates from 80 organizations discussing collaborative initiatives, cultural engagement, and stronger inter-organizational coordination, and organized a grand Rakshabandhan on 17th August 2025.

The VHP Victoria Chapter, Melbourne, Australia held its 10th HOTA Forum meeting on 23rd March 2025 at ISKCON Melbourne, with delegates from 40 organizations discussing collaborative initiatives, cultural engagement, and stronger inter-organizational coordination, and organized a grand Rakshabandhan on 20th September 2025.

The VHP Queensland Chapter, Brisbane, Australia held its HOTA Forum meeting on 15th February 2025 at the Vedic and Cultural Centre, with delegates from 20 organizations discussing collaborative initiatives, cultural engagement, and stronger inter-organizational coordination, and organized a grand Rakshabandhan on 19th September 2025.

The VHP South Australia Chapter, Adelaide, Australia held its HOTA Forum meeting on 21st June 2025 at Gilbert Street Hall, with delegates from 56 organizations discussing collaborative initiatives, cultural engagement, and stronger inter-organizational coordination, and organized a grand Rakshabandhan on 29th August 2025.

Vishva Hindu Parishad of Australia, NSW Chapter VHP Sanskrit School, organized a Ramayana Nritya Natika in Sanskrit, marking the first time such a historic event was held outside Bharat. More than 200 students from 8 schools participated in the programme, and around 500 people attended the event.

VHP of Canada – VHP Canada organized the 1st Canadian National Hindu Conference on the 24th and 25th of May 2025 in Brampton, Toronto, Ontario, Canada, with the theme "Hindu Contributions to Canada: Challenges and Opportunities." A total of 750 delegates, representing 110 organizations from across the country and major Hindu ethnic groups from Bharat, Sri Lanka, Nepal, Bangladesh, Pakistan, Mauritius, Fiji, Malaysia, Guyana, Suriname, and Trinidad & Tobago, participated.

VHP of Norway – The 2nd Norwegian National Hindu Conference was held on 23rd August 2025 in Oslo, Norway, with the theme "United Communities, Stronger Norway." A total of 230 delegates from across Norway, as well as from other European

countries such as Sweden, Denmark, and Belgium, attended. Major Hindu organizations, including ISKCON and the Art of Living, along with more than 20 other organizations and community leaders, participated. Hindus from the Sri Lankan, Nepali, and Bangladeshi communities also attended the conference.

VHP of Germany – The VHP of Germany organized the 1st German Hindu Conference on the 30th and 31st of August 2025 in Frankfurt, Germany, with the theme "United Communities, Stronger Germany." A total of 400 delegates attended, and 36 organizations from different states of Germany participated.

VHP of France – The VHP of France was officially registered this year. For the first time, VHP France organized a programme on 1st September 2025 in Paris. A total of 150 people participated in the half-day conference.

VHP of New Zealand – The Hindu Women Forum, a division of VHP of New Zealand, organized the 1st New Zealand Hindu Women Conference on 20th September 2025 at Bharatiya Uchchayog, Wellington, with the theme "Promoting Women, Strengthening Community." A total of 150 women participated.

VHP of Fiji – VHP of Fiji organized the 5th Fiji National Hindu Conference on 27th September 2025 with the theme "United Community, Stronger Fiji." During the conference, the HOTA Forum Fiji was launched. A total of 150 delegates representing 30 major organizations attended the event.

VHP of Thailand – VHP Thailand organized a wide range of humanitarian, cultural, and community-focused activities. HEART carried out major SEWA initiatives, including a blood donation drive and Myanmar earthquake relief. Cultural programmes such as Holika Dahan, Hindu Nav Varsh celebrations, and the Ram Navami Akhand Path were conducted, while the Bal Gita Pathashala held weekly cultural quizzes. Ganesha Chaturthi was celebrated on 30–31 August 2025 in Bangkok, with the participation of around 7,000 devotees, and the visarjan procession was organized in a grand manner.

VHP of America: HMEC & HMPC – The 18th HMEC and 12th HMPC were held in Dallas, Texas, from 12th to 14th September 2025.

Hindu Heritage Month: Established in 2021, it is celebrated throughout October 2025 with cultural, religious, and philanthropic events organized by over 150 partners.

VHP of Taiwan – VHP Taiwan conducted regular Hindi classes and organized key cultural and religious activities from January to November 2025. Makar Sankranti was observed with the chanting of the "Maha Mrityunjay" and "Gayatri" mantras. Hindu Navvarsh, Baisakhi, and Cheti Chand were celebrated with a recitation of the "Sunderkand," while the Raksha Bandhan festival included the "Shri Satyanarayan Pooja." Shardiya Navratri celebrations were held in October. VHP Taiwan also engaged with local government authorities and the Indian Trade Association at the Indian Embassy to discuss proposals for constructing a Hindu temple in Taipei.

VHP of Malaysia – VHP Malaysia (WHC) organized a series of significant community initiatives throughout the year. A joint Tamil Puthandu celebration in Brickfields brought together major Hindu organizations for cultural programmes and a vegetarian food festival. Additional events included the celebration of Shri Krishna Janmashtami.

VHP of Hong Kong – The Raksha Bandhan celebration organized by the Vishwa Hindu Parishad (VHP) and Hindu Swayamsevak Sangh (HSS) on 9th August 2025 in Hong Kong was a notable success and the only public event of its kind in the region. Around 500 participants from diverse nationalities attended, and dignitaries from the Bharatiya Consulate and several other consulates representing their respective countries were also present.

VHP of Sri Lanka – The Vishwa Hindu Parishad celebrated Ganesh Chaturthi Utsav with great enthusiasm across six districts. In Colombo alone, processions and Ganeshji's Visarjan were held at eight locations, drawing approximately 1,000 participants. In the Central Province, a special Visarjan and procession in Kotagala, Nuwara Eliya district, witnessed the participation of over 4,000 Hindus. The celebrations, held from 27th to 31st August 2025, were widely broadcast.

VHP of Guyana – The Vishva Hindu Parishad of Guyana, in collaboration with 35 temples across the country, organized Ganesh Chaturthi celebrations in a grand and vibrant manner.

VHP of South Africa – VHP–SA continued its Mental Health Awareness Project with Dr. Vijay Jaggan and Reji Maistry, introducing the Train-the-Trainer Manual to assist Hindu organizations in addressing mental health issues in South Africa.

विधि प्रकोष्ठ (Vidhi Prakoshtha)

Organization :

KENDRA Toli	-	**13**
KSHETRA	-	13
Conveners	-	**09**
Co-conveners	-	**04**
PRANT		

Total	-	44
Up prant	-	03
Prant conveners	-	40
Up prant Conveners	-	03
Prant Co-conveners	-	**60**

Functions :

1. National Meeting was held at Indore on 13-14, September, 2025. The attendance was:-

Kshetra	-	13
(13) Prant	-	36
(44) Up Prant	-	3
(3) Karyakartas	-	**366**

In this meeting apart from VHP Karyakartas, several retired Judges of different High Courts were present.

2. Retd. Judges & Advocates Program :

A program on Pulvama incident and Sindoor Operation was held at Delhi on 18.5.2025 for retired Judges and Advocates. An arrangement was made to participate through Video Conference those who are staying out side Delhi across the Bharat. Total 25 retired Judges of H.C. & S.C. and advocates have taken part in it.

3. Hindu Legal Clinic :

One more Hindu Legal Clinic has been opened at Silchar (Gauwahati kshetra) on 12-07-2025.

4. Mahila (Female) Adovcate Convention :

The first ever Mahila Advocates Convention was held at Pirana, Ahmedabad for Mahila Advocates of Gujarat Kshetra, on 07th September, 2025. Total 450 Mahila Advocates were present.

5. Freedom of Religion Acts issue pending in Supreme Court :

On the issue of pending challenges to Freedom of Religion Acts of different States in the Supreme Court, an online meeting of all Prant Convenors and CO-convenors was conducted and in compliance therof till now 2 IAS have been filed in the matter in Supreme Court by the Supreme Court team of VHP Legal Cell.

6. Seminar/Workshops/Meetings :

The Prant and/or Kshetra level Seminar/Workshop, meeting etc. had been held as see following details -

S. No.	Kshsetra	Prant	Date	Member	Participate
1	Bhopal	Madhya Bharat	15/11/2025	Workshop	50
2	Jaipur	Jodhpur	04/07/2025	Workshop	120
3	Jaipur	Chittor	09/11/2025	Workshop	45
4	Karnavati	N.Gujarat, S.Gujarat Saurashtra	07/09/2025	Mahila Advocate Convention	510
5	Karnavati	N.Gujarat, S.Gujarat Saurashtra	09/11/2025	Workshop	110
6	Karnavati	S.Gujarat	10/10/2025	Workshop	118
7	Karnavati	Saurashtra	12/11/2025	Meeting	100
8	Lucknow	Awadh	23/11/2025	Workshop	42
9	Mumbai	West Maharashtra	14/11/2025	Workshop	50

धार्मिक पुंज

मठ मंदिर एवं अर्चक पुरोहित सम्पर्क आयाम

आयाम की केन्द्रीय बैठक 8–9 नवम्बर 2025 को श्री स्वामी नारायण गादी संस्थान, मणिनगर, कर्णावती में संपन्न हुई। पंजाब, अरुणाचल तथा मणिपुर प्रांत में अभी प्रांत आयाम प्रमुख नियुक्त नहीं हुए हैं। केन्द्रीय बैठक में कुल 44 प्रांतों से 122 कार्यकर्ता बंधु अपेक्षित थे तथा कुल 32 प्रांतों से 85 कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे। राष्ट्रीय महामन्त्री बजरंगलाल बागड़ा जी का प्रेरक सान्निध्य तथा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में एकत्रित और गटशः कुल 8 सत्रों में आयाम के कार्य का विस्तार और दृढ़ीकरण का चिन्तन हुआ।

कार्यस्थिति

चेन्नई क्षेत्र, मुंबई क्षेत्र, बेंगलुरू क्षेत्र तथा छत्तीसगढ़, जयपुर, जोधपुर, दिल्ली, हरियाणा इन प्रांतों में आयाम का कार्य अच्छी तरह से गतिमान हो रहा है।

प्रांत टोली

14 प्रांतों में प्रांत टोली का गठन हुआ।

कार्यकर्ता बंधु संबंधित कार्य उपलब्धि – मंदिर स्वच्छता–3,847, भक्त मण्डली गठन–518, साप्ताहिक सामूहिक आरती–1,060, वस्त्र संहिता – 317

मंदिर ट्रस्टी बंधु संबंधित कार्य उपलब्धि – जूते–चप्पल स्टैण्ड–1,649, सेवा उपक्रम–645, परिवार सत्संग–2,569, युवक–जिम/योगाभ्यास–71, बालक/छात्र प्रतियोगिता–199, महिला प्रतियोगिता–199, महिला कार्यक्रम–2,594

मंदिर पुजारी बंधु संबंधित कार्य उपलब्धि – हिन्दू पंचांग–सुविचार लेखन–1,013, तीर्थ प्रसाद–तिलक–6,842, उपासना हेतु जप मालाएँ–3,001, संस्कार हेतु स्तुति–स्तोत्र फलक–4,042, साप्ताहिक बाल संस्कार केन्द्र–3,097

पुरोहित बंधु संबंधित कार्य उपलब्धि – यजमान सूची

संपर्क–940, धर्मरक्षा संकल्प–1,297, परिवार प्रबोधन सत्संग–841, यजमान स्नेहमिलन–451

धर्माचार्य संपर्क आयाम

क्षेत्र युवा संत चिंतन वर्ग उपस्थिति :–

क्षेत्रशः	प्रान्त	संख्या
कर्णावती क्षेत्र	3	45
मुम्बई	4	320
लखनऊ	4	40
भोपाल	4	42
कुल	**15**	**447**

अखिल भारतीय युवा संत चिन्तन वर्ग – अमरकंटक

प्रान्त 36 उपस्थिति 98

केन्द्रीय मार्गदर्शक मंडल बैठक – दिल्ली

प्रान्त 41 उपस्थिति संत 178

केरल धर्म संदेश यात्रा 07 से 21 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित हुई, जिसमें 200 संतों ने भाग लिया। कर्नाटक के विशेष नारायण गुरु द्वारा स्थापित कोंकण नाथ मंदिर मंगलापुरम (कर्नाटक) से पूज्य संतों ने ज्योति लेकर तिरूवंतपुरम केरल तक संदेश यात्रा पूर्ण हुई, इस यात्रा में केरल के सभी आश्रमों से पूज्य संतों ने भाग लिया। प्रसिद्ध साहित्यकार श्री राधाकृष्णन इसके प्रमुख थे और माता अमृतानन्दमयी माँ इसकी संरक्षिका थी।

संस्कृत आयाम

दिनांक 29 जुलाई 2025 को वेद विद्यालयों के सन्दर्भ में एक बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सदस्य सचिव प्रो. विरुपाख जड़ोपाल जी का मार्गनिदेशन मिला। वेद विद्यालयों के उत्कर्ष के सन्दर्भ में विस्तृत चर्चा हुई।

31 जुलाई 2025 को अशोक सिंहल वैदिक शोध संस्थान, गुरुग्राम, हरियाणा में एक बैठक सम्पन्न हुई।

09 अगस्त 2025 को श्रावणी पूर्णिमा पर संस्कृत दिवस सप्ताह के कार्यक्रमों में आयाम के दिल्ली प्रान्त के कार्यकर्ताओं ने श्री लालबहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता की। दिल्ली के विभिन गुरुकुलों में संस्कृत दिवस पर काव्य, श्लोकोच्चवारण और भाषण प्रतियोगिताओं में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

28 अगस्त 2025 को नई दिल्ली में आयाम की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेडी जी का मार्गनिदेशन मिला। संस्कृत एवं वेद विद्यालयों के उत्कर्ष के सन्दर्भ में विस्तृत चर्चा हुई।

21 सितंबर 2025 को भगवान वाल्मीकि रामतीर्थ धाम ज्योत यात्रासिंघु बॉर्डर वाल्मीकि मंदिर में विहिप संस्कृत आयाम के कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। आयाम के संयोजक सूर्य प्रकाश सेमवाल ने श्री खाटू श्याम धाम में इंद्रप्रस्थ विश्व हिन्दू परिषद् के नेतृत्व में विभिन्न प्रकल्पों के कार्यकर्ताओं के साथ इस जोत यात्रा का स्वागत और इसमें सहभागिता की।

26 अक्टूबर 2025 को सनातन सुधा और पाठ्यज्ञ भारतम् के साथ नई दिल्ली स्थित अयप्पा मंदिर में आयाम ने एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्ण सहभागिता की। आयाम के प्रमुख एक सत्र के मुख्य वक्ता रूप में आमंत्रित थे।

07 दिसम्बर 2025 को आयाम की राष्ट्रीय टोली कार्ययोजना बैठक नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। इस उपवेशन में केन्द्रीय टोली का पुनर्गठन किया गया।

आयाम की राष्ट्रीय टोली के इस उपवेशन में वर्षभर के कार्यक्रम विवरणिका तैयार की। विहिप द्वारा निर्धारित प्रमुख पर्वों के साथ ही निम्न कार्यक्रम में आने वाले पर्वों को भी मनाने का निर्णय किया गया।

वेद विद्यालय – यह संकल्प लिया कि संस्कृत आयाम के माध्यम से ही वेद विद्यालयों का संचालन किया जायेगा। इनका प्रबंधन, समुचित व्यवस्था, पुराने विद्यार्थियों का अन्वेषण, उचित पाठ्यक्रम, शिक्षकों का प्रशिक्षण और सुयोग्य मार्गदर्शक खोजने होंगे, तभी इन विद्यालयों में अध्ययन सुव्यवस्थित हो पायेगा। ये वेद विद्यालय विहिप द्वारा बद्री भगत झंडेवाला मन्दिर समिति के आर्थिक सहयोग से संचालित हैं।

वेद संरक्षण और प्रचार – प्रसार की अन्वरतता में इस समय विश्व हिन्दू परिषद के द्वारा संचालित इन वेद विद्यालयों की संख्या 13 हो गई है। विहिप द्वारा संचालित इन वेद विद्यालयों से पढ़े वेदपाठी और विद्वान् देश के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में अध्यापन कार्य कर रहे हैं। वेद विद्यालयों में सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा संचालित पाठ्यक्रम पढ़ाया जाता है।

अशोक सिंहल वैदिक शोध संस्थान का आविष्कार – अशोक सिंहल वैदिक शोध संस्थान की स्थापना के उपरान्त एक प्रबंध समूह का गठन किया गया। प्रबन्ध समिति ने हरियाणा राज्य सरकार से गुरुग्राम में एक विद्यालय भवन को शोध संस्थान प्रारम्भ करने के लिए पट्टे पर यथाविधि लिया है। इस प्रकार अशोक सिंहल वैदिक शोध संस्थान पूर्ण रूप से अस्तित्व में आया।

उद्देश्य और लक्ष्य – वैदिक वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रकाशित करने और अतीत के गौरव को पुनः प्राप्त करने के लिए भारत के प्राचीन साहित्य पर आधारित शोध कार्य को पुनः प्रारम्भ करना आवश्यक है। वेद और पुराणों में निहित वैज्ञानिक विषयों को समाज के समक्ष उद्घारित करने हेतु गम्भीर गवेषणायें अशोक सिंहल वैदिक शोध संस्थान का प्रमुख उद्देश्य है। आयुर्वेद, वनस्पति विज्ञान, पशु चिकित्सा विज्ञान भौतिक विज्ञान, खगोल विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, राजनीति विज्ञान, लोकप्रशासन, अर्थशास्त्र, युद्धविद्या आदि शोध के प्रमुख क्षेत्र हैं।

संस्थान की षाण्मासिक शोध–पत्रिका श्रुतिप्रभा के वर्ष 02 के प्रथम एवं द्वितीय संयुक्तांक (वर्ष 2024) का मुद्रण–कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इस अंक की प्रतियाँ देश के विशिष्ट विद्वानों तथा समस्त संस्कृत विश्वविद्यालयों को प्रेषित की गई हैं।

सेवा पुंज

सेवा आयाम

1. वर्तमान में सम्पूर्ण संगठन के सेवाकार्य 7,152 हैं जिनमें सेवा विभाग द्वारा संचालित 4,510 हैं। कुल सेवायुक्त जिले 521 (शासकीय जिले 408) हैं। जुलाई से अब तक के छः माह में सेवा विभाग के कार्यों में 292 की वृद्धि एवं सेवा आयाम सहित कुल वृद्धि 761 की हुई है।

सेवा विभाग के द्वारा इन छः माह में किए गए उपक्रमों की संख्या 1,445 है, जिसमें 3,55,993 समाजबान्धवों से सम्पर्क किया गया। विभिन्न स्वावलम्बन–कार्यों के परिणामस्वरूप अर्थार्जन में सक्षम बन्धु, भगिनी की संख्या 1,386 है। जुलाई से दिसम्बर तक आयामों सहित उपक्रमों की संख्या 8,172 – लाभार्थी 12,08,846 हैं। बजरंग दल के लाभार्थियों की कुल संख्या 5,637 है।

2. मुम्बई के शिव कल्याण केन्द्र द्वारा कोंकण प्रान्त के 135 गाँवों का चयन कर ग्राम विकास का कार्यारम्भ किया गया है। इसके अन्तर्गत 80 गाँवों में सत्संग, 104 गाँवों में भारत माता एवं प्रभु श्रीराम की प्रतिमा का वितरण तथा 25 गांवों में मन्दिरों का निर्माण किया है। इन सभी गाँवों में सक्रिय सम्पर्क के माध्यम रूप में जनजाति गौरव दिवस का आयोजन, बालकवृन्द को पाठ्य सामग्री का वितरण तथा ग्रामवासियों को कम्बल एवं दीपावली उपहार का वितरण करने की परिपाटी निर्माण हुई है। समग्र विकास के लिए स्वामीनारायण सम्प्रदाय एवं चिन्मय मिशन के द्वारा 2 गाँव गोद लेकर उनमें पेयजल एवं अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति का कार्य प्रारम्भ किया गया है।

3. गली के बच्चों (Street children) के लिए मुम्बई में कार्य आरम्भ हुआ है, जिसमें 20 बच्चे प्रतिदिन सहभागी हो रहे हैं।

4. प्रयागराज में गत 3 अगस्त से होम केयर का प्रशिक्षण आरम्भ हुआ है, जिसमें 18 बहनें प्रशिक्षण ले रही हैं। इस प्रशिक्षण की अवधि 6 माह है।

5. नवम्बर माह से प्रान्तशः सेवा कुम्भ की प्रक्रिया आरम्भ हुई है। इस क्रम में उत्तराखण्ड, पश्चिम महाराष्ट्र, काशी तथा गोरक्ष प्रान्तों के सेवाकुम्भ सम्पन्न हुए हैं, आगामी फरवरी माह तक शेष प्रान्तों के सेवाकुम्भ सम्पन्न होंगे।

6. केन्द्रीय महामन्त्री माननीय बजरंगलाल जी बागड़ा का तीन स्थानों – 5 दिसम्बर को सूरत, 6 दिसम्बर को दमन एवं वापी, तथा 7 दिसम्बर (रविवार) को मुम्बई में प्रवास हुआ। प्रवास का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों, व्यवसायियों और नव–सम्पर्कित सम्भावित कार्यकर्ताओं को जोड़ना था, जो वर्तमान में किसी संगठन से नहीं जुड़े हैं। उन्हें सेवा कार्यों से परिचित करवाकर संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय करना प्रमुख हेतु था। तीनों स्थानों पर उत्साहपूर्ण सहभाग देखने को मिला। मुम्बई के कार्यक्रम में कुल 132 संख्या में 82 कार्यरत CA बन्धु/भगिनी उपस्थित थे।

सेवा कार्य - दिसम्बर 2025

आयाम	शिक्षा	स्वास्थ्य	सामाजिक	स्वावलम्बन	योग
सेवा विभाग	1761	1401	489	859	4510
धर्म प्रसार	1727	3		29	1759
मातृ शक्ति	208			201	409
दुर्गा वाहिनी	207		18	207	432
सत्संग	9	5	10	18	42
महायोग	**3912**	**1409**	**517**	**1314**	**7152**

धर्मप्रसार आयाम

- ❖ देश में 47 प्रांतों से 28 प्रांत जनजाति क्षेत्र हैं। उस सभी प्रांतों में आस्था जागरण के लिए हर वर्ष श्रावण माह में अपने–अपने प्रांतों के पवित्र तीर्थ स्थानों से मंत्रयुक्त जल उठाते हुए गाँव के शिव मंदिर में जलाभिषेक करते हैं। इस वर्ष कुल 1,200 गाँवों में 25,000 भक्तों ने जलाभिषेक किया।
- ❖ पवित्र गुरुपूर्णिमा के दिन धर्मप्रसार की ओर से क्षेत्र में निवास करने वाले सभी साधु–संतों का श्रद्धा के साथ पूजन किया गया, जिसमें 28 प्रांतों के 600 संतों का कार्यकर्ताओं द्वारा पूजन किया गया।
- ❖ प्रांतों में साधु–संतों ने चयनित प्रखंडों के ग्राम–ग्राम में कार्यकर्ताओं के साथ प्रवास किया। 225 संतों द्वारा 1,880 गाँवों में सम्पर्क किया गया, संतों के हाथों से 2 लाख से अधिक लॉकेट वितरण किये गये।
- ❖ प्रांतों में संत सम्मेलन आयोजित किये गये। इसके साथ–साथ अखिल भारतीय संत चिन्तन बैठक अयोध्या स्थित तीर्थक्षेत्रपुरम में सम्पन्न हुई, जिसमें जनजाति क्षेत्रों में निवास करने वाले 136 संत सहभागी बनें।
- ❖ आयाम के प्रांत प्रमुख और सहप्रमुखों की अ.भा. बैठक प्रयागराज में 11 से 13 सितम्बर 2025 तक आयोजित की गयी, जिसमें 40 प्रांतों से 123 कार्यकर्ता, 22 पदाधिकारी सहित कुल 145 कार्यकर्ता उपस्थित थे। केन्द्रीय संगठन महामंत्री श्री मिलिंद परांडे जी एवं अ.भा. धर्मजागरण समन्वय प्रमुख श्री शरद ढोले जी बैठक में पूर्ण समय उपस्थित थे।
- ❖ प्रांत निधि प्रमुख, सह प्रमुख तथा धर्मप्रसार से संबंधित समस्त ट्रस्टियों की अखिल भारतीय बैठक 4–5 अक्टूबर को संपन्न हुई। इस बैठक में 22 प्रांतों से 55 निधि प्रमुख,

13 ट्रस्टों से 21 कार्यकर्ता सहित कुल 76 कार्यकर्ता उपस्थित थे। विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय महामंत्री श्री बजरंग लाल जी बागड़ा पूर्ण समय इस बैठक में उपस्थित रहकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

❖ **समर्पण कार्यक्रम** – श्रद्धेय श्री मोहन जोशी जी की पुण्य स्मृति में धर्मप्रसार आयाम द्वारा ग्राम टोली, प्रखण्ड टोली, जिला टोली, प्रांत टोली तथा केन्द्रीय पदाधिकारियों के द्वारा (7 से 11 नवम्बर 2025) तक पाँच दिनों में 32,576 कार्यकर्ताओं द्वारा रू. 52,71,625 धनराशि संग्रह की गयी।

❖ अवैध धर्मान्तरण के विरोध में ब्यावर परियोजना के अन्तर्गत जन आक्रोश रैली 22 अगस्त 2025 को आयोजित की गयी, जिसमें 10,000 लोगों ने भाग लिया।

❖ जनजाति समाज तथा अनुसूचित जाति में मतान्तरण के विरोध में जाति मुखियाओं द्वारा जाति सम्मेलन, रैली, प्रेसवार्ता का आयोजन 12 प्रांतों में किया गया। उपरोक्त सभी प्रांतों में सम्मेलनों में 35 प्रकार की जातियों के लोग सम्मेलन में उपस्थित रहे। यह सम्मेलन 85 प्रखण्डों में आयोजित हुआ, जिसमें 18,000 संख्या उपस्थित रही।

❖ **प्रशिक्षण वर्ग** – 6 स्थानों पर धर्मरक्षक और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण वर्ग में 270 संख्या रही।

चयनित जिला–397, चयनित जिलों में टोली–193, अन्य जिलों में धर्मप्रसार प्रमुख–419, चयनित प्रखण्ड–832, टोलीयुक्त प्रखण्ड–413, चयनित प्रखण्डों में कुल गाँव–63,539, कुल ग्राम टोली–10,278, धर्मरक्षकों द्वारा ग्राम टोली–7,808, कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम टोली–2,478, प्रांत में कुल साप्ताहिक सत्संग–4,703, धर्मरक्षकों द्वारा साप्ताहिक सत्संग–3,728, कार्यकर्ताओं द्वारा साप्ताहिक सत्संग–972, कुल मासिक भजन मण्डली–1,726, कुल पूर्णकालिकों की संख्या–109, कुल धर्मरक्षकों की संख्या–380, कितने चयनित प्रखण्डों में धर्मरक्षकों की नियुक्ति हुई–349.

परावर्तन विवरण –

मतान्तरण से बचाया	–	स्थान–978,	परिवार–69784,	सदस्य–3,46,318,
हिन्दू कन्या रक्षा	–	स्थान–604,		सदस्य–1,774
हिन्दू घर में बहू	–	स्थान–438,		सदस्य–519
परावर्तन (ईसाई)	–	स्थान–306,	परिवार–1,438,	सदस्य–6,854
परावर्तन (मुस्लिम)	–	स्थान–38,	परिवार–42,	सदस्य–153
कानूनी विवादों में सफलता	–	स्थान–31,		संख्या–73

वनवासी रक्षा परिवार फाउण्डेशन

कार्य का व्याप –

प्रतिभा विकास केन्द्र युक्त प्रांत संख्या	–	17
जिले	–	77
संस्कार परिवार योजना युक्त कुल प्रांत	–	20
जिले	–	85
कार्ययुक्त प्रखंड	–	100
नगर	–	140
केन्द्र संख्या	–	1,492
छात्र संख्या	–	33,668
अन्य छात्र संख्या	–	3,166
अभिभावक संख्या	–	25,082
अन्य परिवार संख्या	–	2,509

अन्य छात्रों को शिक्षा –

संस्कार देने वाले छात्रों की संख्या	–	1,064
सेवाव्रती कार्यकर्ता संख्या	–	100
आचार्य संख्या	–	1,492
केन्द्र संचालन समिति सदस्य संख्या	–	5,785

विशिष्ट प्रकल्प

1. पूर्वी ओडिशा प्रांत में 4 औपचारिक विद्यालय हैं, जिनमें एक आवासीय विद्यालय है, जिसमें 60 छात्र आवासीय व्यवस्था में अध्ययनरत हैं।
2. दिल्ली में एक आवासीय वेद गुरुकुलम् विद्यालय है, जहाँ 3 आचार्यों के सान्निध्य में 30 छात्र वेद, उपनिषद्, गीता, ज्योतिर्विद्या एवं कर्मकाण्ड की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।
3. असम के उदालगुड़ी जिला में एक छात्रावास का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

सामाजिक समरसता आयाम

समरसता सम्मेलन / गोष्ठी	–	67 स्थान	उपस्थिति 9,425
समरसता यज्ञ	–	45 स्थान	150 दम्पति सहभागी, सहभागी संख्या – 6,390
हिन्दू परिवार	–	1,508 स्थान	सह भोज – 45 कन्या पूजन – 43
डॉ. अम्बेडकर जयंती	–	417 स्थान	उपस्थिति – 96,771
महर्षि भगवान वाल्मीकि जयंती	–	2,567 स्थान	उपस्थिति – 20,940
छात्रावास संपर्क	–	39 स्थान	
समरसता प्रांत विमर्श	–	21 प्रांतों में प्रांत टोली	कुल प्रांत टोली सदस्य – 266
कुल चयनित जिला	–	156	कुल जिला नियुक्ति – 252

गोवंश रक्षण एवं संवर्द्धन परिषद

संगठनात्मक

प्रान्त ट्रस्ट रजि.	29	प्रान्त टोली	30	प्रान्त गोरक्षा प्रमुख	42	कार्ययुक्त जिला	575
कार्ययुक्त प्रखण्ड	2,206	कार्ययुक्त ग्राम	34,763				
अपनी गौशालाएँ	110	कुल गौशालाएँ	18,089	सम्पर्कित गौशाला	4,258	गोवंश मुक्त	1,54,890
घरेलु गोउत्पाद प्रशिक्षण केन्द्र	507	घरेलू गोउत्पाद बिक्री केन्द्र	593	पंचगव्य औषधि निर्माण केन्द्र	288	कृषि प्रशिक्षण केन्द्र	84
वैद्यों की सूची	6,962	पंचगव्य बिक्री केन्द्र	288	गोपालक बंधु	8,50,491	पंचगव्य प्रशिक्षण केन्द्र	135
गोपाष्टमी पूजा	1,145	गोवत्स द्वादसी	8,367	नस्ल सुधार केन्द्र	110	गोसम्पदा सदस्य	5,000
गोसम्पदा के लक्ष्य	10,000	गोविज्ञान परीक्षा लक्ष्य	3,00,000	गोवंश आधारित गांव का लक्ष्य	16,571	गोवंश आधारित खेती करने वाले किसानों का लक्ष्य	32,185

विशेष कार्यक्रम

- ''भारतीय गोवंश रक्षण–संवर्द्धन परिषद'' गोरक्षा विभाग की तीन दिवसीय अखिल भारतीय बैठक 07 से 09 अक्टूबर, 2025 तक जयपुर में अत्यन्त उत्साह–आनन्द के साथ सम्पन्न हुई। 40 प्रान्तों का प्रतिनिधित्व रहा, जिसमें से 156 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।
- गोपाष्टमी (29 अक्टूबर, 2025) कार्यक्रम गौशालाओं में एवं ग्रामों में विशेष रुप से 1,145 स्थानों पर मनाया गया।
- अखिल भारतीय संच बैठक गौधाम, वृन्दावन (मथुरा) में 24 अगस्त, 2025 को सम्पन्न हुई।
- गोविज्ञान अनुसंधान केन्द्र देवलापार, नागपुर (महा.) द्वारा गत छः माह में महाराष्ट्र के पब्लिक सर्विस कमीशन के 129 अधिकारी, रीजनल सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्मिंग के 50 किसानों का प्रशिक्षण, अखिल भारतीय प्रशिक्षण वर्ग में 268 व्यक्तियों का प्रशिक्षण, मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के 10 किसानों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण, रायसोनी एग्रीकल्चर कॉलेज मध्य प्रदेश के 31 छात्रों का एक माह का प्रशिक्षण, रायसोनी कॉलेज आफ फार्मेसी के 10 छात्रों का एक माह का प्रशिक्षण, रायसोनी फार्मेसी कॉलेज के 53 छात्रों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण, अनुराग कॉलेज ऑफ फार्मेसी के चार छात्रों का सात दिवसीय प्रशिक्षण, 30 वेटरनरी डॉक्टर का प्रशिक्षण, पुणे यूनिवर्सिटी के 15 छात्रों का एकदिवसीय शिविर, महाराष्ट्र के पब्लिक सर्विस कमीशन के 160 छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया। कुल 1046 लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

प्रचार – प्रसार

प्रांतों में प्रचार – प्रसार प्रमुख – 44 प्रांत, 1 उप प्रांत
डिजिटल मीडिया व सोशल मीडिया एक दृष्टि में–

ट्विटर

Sl. No.	Handel	Followers	Impression	Engagements
1.	VHPDigital	413K	1.6M	230.2K
	BajrangDalOrg	99.7K	595K	97.2K
	eHinduVishwa	24K		
	VSKSamvadKendra	3.5K		
	VHPSocial Media	5.7K		
	SewaVHP	1K		
	DurgaVahiniOrg	5.5K		

फेसबुक पेज :

Sl. No.	Handel	Followers	View	Content Interaction
1.	**VHPDigital**	**170K**	**3.7M**	**198.6K**
2	**BajrangDalOrg**	**94.1K**	**233K**	**12.7K**
3	**eHinduVishwa**	**8.8K**	33.9K	**1.4K**
4	**VSKSamvadKendra**	**1.4K**	**50.3K**	**1.6K**
5	**VHPSocial Media**	**1.4K**	**8.7K**	**351**
7	**DurgaVahiniOrg**	**8.8K**	**14.3K**	**558**

C. WA / Telegram Channel :-

Platform	Channel	Followers	Subscribers
WA चैनल	VHPDigital	2.9K	
	BajrangDalOrg	45	
	DurgaVahiniOrg	45	
	VSK	344	
टेलीग्राम चैनल	VHPdigital		3.9K
	BajrangdalOrg		2.3K
	DurgaVahiniOrg		15
	VSK		5

यूट्यूब :

Channel Name	Duration	Subscribers
VHPDigital	**2025 Yr**	17.5K
Hindu Vishwa		11
VSK		13

इंट्राग्राम :

Sl. No.	Handel	Followers	Reach	View	Content Interactions
1.	DigitalVHP	213K	1.1M	7M	346.1K
2	eHinduVishwa	117K	130K	350K	49K
3	Bajrangdal_Org	48.7K	34.4K	160K	7.3K
4	VHPSocialMedia	68.3K	58K	189.2K	14.7K
5	VSKSamvadKendra	11.2K	1.1M	1.9M	276.3K
6	DurgaVahiniOrg	8.2K	7.3K	34.3K	1.5K

पत्र–पत्रिकाएँ प्रसारण :

Sl. No.	Megazie Name	Language	Subscription	Other Details
1.	हिंदू विश्व	हिन्दी	3,000	
2.	गोसंपदा	हिन्दी	5,000	
3	हिंदू विश्व	मलयालम	20,000	
4	विश्व धर्म वाणी	तेलगू	2,500	
5	विश्व हिंदू	तेलगू	3,500	
6	हिंदूवाणी	कन्नड़	2,250	
7	हिंदू मित्रन	तमिल	1,000	ई पत्रिका
8	समरसता सेतु	हिन्दी	2,000	
9	हिंदुबोध	मराठी	1,000	
10	पूर्वोत्तर समाधान	बंगला, असमिया	-	
11	हिंदुवार्ता	बांग्ला	4,500	
12	हिमालय ध्वनि	हिन्दी	3,000	
13	हिंदू वर्ल्ड	अंग्रेजी	प्रकाशित नहीं हो रही है	
14	हिंदू संवेदना	हिन्दी	1,800 कॉपी मासिक	

15	अभिव्यक्ति सौरभम	संस्कृत	प्रकाशित नहीं हो रही है	
16	राष्ट्र वंदना	हिंदी	6 माह में प्रकाशित होती है	
17	शंखनाद	असमिया	-	त्रैमासिक
18	हिन्दू सन्देश	गुजरती	5,000	मासिक प्रकाशित होती है और पोर्टल भी चलता है

Website (Vhp.org) Visitors / Views (July to December 2025) :

A. Cities – 1,497
B. Total Views – 2,57,560
C. Total Views in Bharat – 2,45,928
D. Countries- 110
E. Regions – 35

7. केंद्रीय सोशल मीडिया टोली – 6 कार्यकर्ता

8. प्रचार – प्रसार विभाग द्वारा गत छ: माह में किये गए कार्य

सोशल मीडिया केंद्रीय टोली द्वारा विहिप स्थापना दिवस, श्रद्धेय अशोक जी की जयंती और गणेश चतुर्थी पर कुटुंब प्रबोधन के विषय पर ट्रेंड चलाया गया। श्रद्धेय अशोक सिंहल जी की जयंती व स्थापना दिवस पर किया गया ट्रेंड भारत में दूसरे स्थान पर रहा, कुटुंब प्रबोधन पर किया ट्रेंड #Sanyukt Parivar Sukhi Parivar देश में 12 वें स्थान पर रहा।

I Love Muhammad के विरुद्ध टीवी डिबेट के माध्यम से विरोध किया गया और प्रत्युत्तर दिया गया, साथ ही सोशल मीडिया पर अभियान #ILoveIndia चलाया गया। वह ट्वीटर ट्रेंड भारत में दूसरे स्थान पर रहा।

केंद्रीय प्रचार विभाग ने कुटुंब प्रबोधन के विषय पर कंटेंट बनाया और सोशल मीडिया समेत व्हॉट्सएप के सभी ग्रुपों में वितरण करने का कार्य किया।

संघ स्थापना दिवस पर नागपुर से पूजनीय सरसंघचालक जी के उद्बोधन को केंद्र और प्रांत के फेसबुक पेजों से केंद्र द्वारा लाइव किया गया।

केंद्रीय प्रचार विभाग द्वारा नियमित रूप से होने वाली प्रेस वार्ता, प्रेस नोट और लाईव किए गये।

हरिगढ़ (अलीगढ) में प्रचार विभाग की सक्रियता से डांडिया नाइट के कार्यक्रम को बंद कराया गया।

जयपुर में लव जिहाद के प्रकरण में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर मुस्लिम परिवार द्वारा अफवाह एवं झूठे प्रकरण आए, जिसे प्रचार विभाग द्वारा संज्ञान में लिया गया और मीडिया के माध्यम से साक्ष्य सहित सही समाचार प्रसारित करवाकर कार्यकर्ताओं के विरुद्ध झूठे प्रकरण को दर्ज होने से बचाया।

जयपुर में एक वीडियो वायरल हुआ, जिसे लव जिहाद से जोड़कर प्रसारित किया गया था, जिस पर प्रचार प्रसार विभाग एवं सोशल मीडिया की टोली ने संज्ञान में लिया, प्रशासन के माध्यम से दो युवकों की पहचान एवं विद्यालय की पुष्टि करके उचित कारवाही करवाई एवं उक्त वीडियो को सभी सोशल मीडिया हैंडलिंग ग्रुप अकाउंट से रिमूव करवाया।

जयपुर में सोशल मीडिया के माध्यम से यह खबर मिली कि 24X7 स्टोर से बीफ वाले लेस कंपनी के चिप्स बेचे जा रहे हैं, जिस पर मौके पर बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुँचे और प्रचार विभाग द्वारा मीडिया के माध्यम से इसकी न्यूज एवं सोशल मीडिया टोली के माध्यम से समाचार को प्रशासन तक पहुँचाया गया, जिस पर उचित कार्रवाई कर स्टोर के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कराया गया।

कोंकण : भिवंडी धर्मांतरण प्रकरण में अमेरिकी सेना का पूर्व अधिकारी शामिल था। इस प्रकरण को कोंकण के प्रचार विभाग द्वारा उठाया गया, भिवंडी के चिंबीपाड़ा स्थित आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को पैसे का लालच देकर और 'चमत्कार' दिखा कर धर्मांतरण कराने के मामले में उक्त अमेरिकी नागरिक को गिरफ्तार किया गया, अब इसकी जांच की जा रही है।

कोंकण : शिवड़ी पुलिस ने बजरंग दल कार्यकर्ता की अवैध गिरफ्तारी की थी, इस गिरफ्तारी को अवैध ठहराते हुए पुलिस को एक (शिकायत पत्र) सौंपा। इसमें प्रचार विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए विषय को उठाया और फैक्ट फाइंडिंग कर मामले को मीडिया और सोशल मीडिया में प्रमुखता से उठाया।

कोंकण : गणेश उत्सव के दौरान कुटुंब प्रबोधन विषय पर विद्वान लेखकों से लेख लिखाए गए, जिन्हें प्रमुख समाचार पत्रों द्वारा विशेष रूप से स्थान प्रदान किया गया।

स्थापना दिवस के अवसर पर प्रचार विभाग ने चिन्मय मिशन तथा रामकृष्ण मठ के पूज्य संतों द्वारा शुभकामना संदेश प्राप्त कर प्रेषित किए।

इंद्रप्रस्थ प्रांत में अखिल भारतीय सोशल मिडिया का विशेष वर्ग पूर्ण हुआ, जिसमें 28 प्रांतों से 76 कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

'हिंदुत्व के विमर्श चुनौतियाँ और समाधान' विषय पर हिंदू अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय और लाल बहादुर शास्त्री विश्वविद्यालय के सह संयोजन में विमर्श की अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न हुई, जिसमें 325 शोधार्थियों ने सारांश भेजकर कर अपना पंजीकरण कराया जिसमें 160 शोध पत्र चयनित हुए और 6 समानांतर सत्रों के माध्यम से विषय रखे गए।

धर्म स्वातन्त्र्य के विषय पर पत्र बनाया गया, जिसका उपयोग प्रांतों के द्वारा किया गया।

नवंबर माह के अंत में मौलाना मदनी द्वारा वंदेमातरम व सर्वोच्च न्यायालय के विरोध में तथा जिहाद के समर्थन में भड़काऊ भाषण दिया, उसके विरुद्ध प्रचार विभाग ने प्रचार तंत्र के सभी आयामों पर विषय उठाया।

10 प्रांतों में बैठक व प्रशिक्षण वर्ग आयोजित हुए, जिसमें केंद्रीय प्रचार टोली के सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विमर्शों के content जेनेरेशन और प्रसारण के कार्य में प्रचार विभाग की विशेष भूमिका रही है। सभी प्रांतों के ग्रुप बनाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिले के ग्रुप बनाने की प्रकिया जारी है, 47 प्रांत व उप प्रांत के कुल 996 जिलों के ग्रुप बनाये जा चुके हैं।

बैठक

१. केंद्रीय प्रचार टोली नियमित बैठक प्रत्येक दिन प्रातः 8 बजे

२. अखिल भारतीय बैठक – प्रांत प्रचार प्रसार प्रमुख (ऑनलाइन) प्रत्येक माह पहले शनिवार
प्रांत सोशल मीडिया प्रमुख (ऑनलाइन) प्रत्येक माह दूसरे शनिवार

9. केंद्रीय प्रचार प्रसार विभाग द्वारा जून से दिसंबर माह तक–

प्रेस कांफ्रेंस – 2 प्रेस विज्ञप्ति – 4 लिखित संदेश –7 वीडियो संदेश – 9

लाइव कार्यक्रम – 3 (नागपुर विजयदशमी कार्यक्रम, विश्व संवाद केंद्र में पूज्य जितेंद्रानंद जी व डॉ. सुरेन्द्र जी की प्रेस वार्ता, मा. आलोक जी की प्रेस वार्ता)

विशेष सम्पर्क विभाग

प्रांत प्रमुख	–	43	प्रांत सह प्रमुख	–	35	प्रांत टोली	–	36
विभाग केंद्र प्रमुख	–	102	नगर निगम प्रमुख	–	34	जिला प्रमुख	–	570
						कुल योग	–	706

संवाद कार्यक्रम

1) संवाद कार्यक्रम – 22 स्थान प्रांत – 15 कुल उपस्थित की संख्या 4,511

उपस्थित श्रेणियाँ–डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, प्रशासनिक अधिकारी, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, प्रोफेसर, बड़े व्यवसायी, उद्योगपति, वकील, कुलीन लोग, बुद्धिजीवी, ISRO वैज्ञानिक, प्रोफेसर।

उल्लेखनीय/प्रमुख संवाद कार्यक्रम

क्रम	प्रांत का नाम	कार्यक्रम स्थान	कार्यक्रम तिथि	प्रतिभागी श्रेणी	उप. सं.
1	मध्य भारत	ग्वालियर	27.08.25	शहर के विशिष्ट महानुभाव	50
2	मध्य भारत	भोपाल	01.08.25	डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील, प्रशासनिक अधिकारी, व्यापारी, प्रोफेसर	124
3	उत्तर गुजरात	अहमदाबाद	17.11.25	ISRO के वैज्ञानिक	10
4	महाकौशल	रीवा	02.11.25	चार्टर्ड अकाउंटेंट, वकील, कम्युनिटी लीडर, विद्यायक	50
5	महाकौशल	सिंगरौली	02.11.25	शहर के विशिष्ट महानुभाव	600
6	महाकौशल	सिंगरौली	30.11.25	शहर के विशिष्ट महानुभाव	900
7	दक्षिण गुजरात	सूरत	23.10.25	शिक्षाविदों	42
8	दक्षिण गुजरात	सूरत	05.12.25	चार्टर्ड अकाउंटेंट, उद्योगपति, सामाजिक नेता	35
9	उत्तर कर्नाटक	बेलगावी	18.09.25	व्यवसायी, उद्योगपति, पेशेवर	38
10	मालवा	नीमच	09.11.25	सभी श्रेणियाँ	300
11	मालवा	इंदौर	01.12.25	सिख समाज के खास लोग (गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस का प्रोग्राम)	300
12	पंजाब	चंडीगढ़	18.7.25	अधिवक्ता	35
13	उत्तर पूर्व	गुवाहाटी	02.07.25	चार्टर्ड एकाउंटेंट	15
14	सौराष्ट्र	जामनगर	19.11.25	सभी श्रेणियाँ	195
15	दक्षिण आंध्र	करनूल	01.11.25	सभी श्रेणियाँ	80
16	दक्षिण आंध्र	नंदीगांव	29.11.25	अधिवक्ता	32

17	काशी	प्रयागराज	27.10.25	पेशेवर, व्यापारी	25
18	काशी	प्रयागराज	27.10.25	सिंधी समाज के व्यापारी	20
19	विदर्भ	नांदेड़		सिख समुदाय के बुजुर्ग	50
20	विदर्भ	गोंदिया		सकल समाज	1000
21	चित्तौड़	कोटा	24.08.25	शहर के विशिष्ट महानुभाव	500
22	इन्द्रप्रस्थ	दिल्ली	01.10.25	रेलवे अधिकारी (IRTS)	10

सांस्कृतिक गौरव संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम

सांस्कृतिक गौरव संस्थान कार्यक्रम प्रांत – 02 स्थान – 03

कुल उपस्थित की संख्या – 400

क्रम	प्रांत का नाम	कार्यक्रम स्थान	कार्यक्रम तिथि	प्रतिभागी श्रेणी	उप0 सं0
1	दिल्ली	केंद्रीय कार्यालय	08.11.25	केंद्रीय विश्वविद्यालय और आईआईटी के शोध छात्र	50
	हरियाणा				
3	लखनऊ	लखनऊ	28.09.25	हिंदू मूल्यों पर कार्यक्रम और श्री अशोक सिंहल जी की जयंती समारोह	250

विधायक संपर्क अब तक हुआ

क्रम	प्रांत का नाम	अवधि/तिथियाँ	संपर्क किए गए विधायक की संख्या
1)	मध्य भारत	अगस्त–2025	65
2)	महाकौशल	अगस्त–2025	80
3)	मालवा	अगस्त–2025	44
4)	पंजाब	नवंबर–2025	7
5)	त्रिपुरा	जुलाई–2025	6
		कुल योग	**202**

श्रेणी के अनुसार – अब तक बनी सूची

क्रम	श्रेणी	संर्पकों की संख्या
01	राजनेता (सांसद, विधायक, पार्षद, पार्टी अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व एमएलसी आदि, मंत्री, पूर्व मंत्री)	2,659
02	प्रशासक (IAS, IPS) जिलाधिकारी, RDO, ग्रुप 1 अधिकारी, दूसरे सेवारत व सेवानिवृत्त अधिकारी)	1,303
03	व्यवसायी, उद्योगपति, उद्यमी	1,340
04	वकील, एडवोकेट और लॉ फर्म के मालिक, कॉपोरेट लॉ फर्म के मालिक, एसोसिएट	1,929
05	शिक्षाविद, कोचिंग और शैक्षणिक संस्थान के मालिक	1,680
06	डॉक्टर	1,146
07	प्रोफेशनल्स (CA, CS, CMA, आदि)	1,005
08	पुरस्कार–राज्य, केंद्र स्तर पर खेल, कला, समाजसेवा में पुरस्कार विजेता	617
09	लेखक, कवि, अलग–अलग क्षेत्रों के जाने–माने लोग	750
10	सामाजिक संगठन नेता	900
11	शिक्षक, प्रोफेसर, कुलपति, व्याख्याता	1,200
12	अन्य	1,277
	कुल योग	**15,806**

नैतिक मूल्य शिक्षण वृत्त

संगठन – क्षेत्र – 9, प्रांत – 24, जिले – 304
विद्यालय – 4,189 विद्यार्थी – 3,70,762

प्रांतों के विशेष वृत्त

सामाजिक समरसता गोष्ठी–बाड़मेर, जोधपुर प्रान्त

सामाजिक समरसता गोष्ठी में पूज्य संत व पूज्य साध्वी जी एवं विश्व हिन्दू परिषद् के मान. केन्द्रीय सह संगठन महामंत्री श्री विनायक राव देशपांडे मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष समाजसेवी श्री उदाराम जी मेघवाल रहे, जो बाड़मेर व जैसलमेर जिले में अनुसूचित जाति में प्रभावी और सर्वमान्य व्यक्ति हैं। मुख्य अतिथि के रूप में रावत त्रिभुवन सिंह जी, राजपरिवार से व करणाराम जी चौधरी–वरिष्ठ अधिवक्ता, जयपाल जी वाल्मीकि–अध्यक्ष वाल्मीकि समाज, जोगेंद्र सिंह चौहान–युवा उद्यमी, चांदाराम जी भील–भील समाज सहित सभी समाज का प्रतिनिधित्व रहा।

बाड़मेर जिला केंद्र पर सामाजिक समरसता गोष्ठी में पूरे जिले से 20 से अधिक जाति–बिरादरी का प्रतिनिधित्व रहा। मुख्य विशेषता यह रही कि मंदिर पुजारी का सामाजिक सरोकार कार्य के लिए मंच से श्री उदाराम जी मेघवाल व रावत त्रिभुवन सिंह जी द्वारा सम्मान किया गया। श्री उदाराम जी मेघवाल ने पहली बार हिन्दू संगठन के मंच पर आकर सामाजिक विषमता के बारे में बात की व हिन्दू संगठन द्वारा चल रहे समरसता के कार्य की प्रसंशा की व कहा कि दोनों तरफ से प्रयास की सघन आवश्यकता है।

प्रतिनिधित्व – कुल प्रखंड–8, उपस्थित प्रखंड–8, कुल उपस्थित गाँव–47, उपस्थित मातृशक्ति–37, उपस्थित पुरुष–352, कुल योग–389

विहिप–श्रीगंगानगर द्वारा गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान दिवस पर पावन समागम

सभा में कुल 30 महिला व 200 पुरुष (200 में से आधी संख्या केशधारी बधुओं की थी), कुल उपस्थित संख्या–230 रही।

विश्व हिन्दू परिषद श्रीगंगानगर द्वारा नौवें पातशाह "हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर जी" के 350वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में ट्रेड्स एसोसिएशन हाल, नई धानमंडी में एक पावन एवं गरिमामय समागम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिख संगत सहित सर्व सनातन समाज के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में सहभाग कर गुरु साहिब के अमर बलिदान को श्रद्धापूर्वक समरण किया और पुष्पांजलि अर्पित की।

समागम के मुख्य वक्ता विश्व हिन्दू परिषद, पंजाब प्रांत के कार्याध्यक्ष श्री हरप्रीत सिंह गिल ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन और उनके द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने गुरु साहिब को धार्मिक स्वतंत्रता, मानवाधिकार, सत्य और न्याय की रक्षा का महान प्रतीक बताया। उन्होंने भाई मति दास जी, भाई सती दास जी, भाई दयाला जी, भाई जेठा जी (जीवन सिंह जी) और भाई लखीशाह बंजारा सहित उन अनेक महापुरुषों के बलिदानों का भी संस्मरण कराया, जिन्होंने गुरु साहिब के सिद्धांतों और मूल्यों के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। उनके अनुसार गुरुओं की शिक्षाएँ आज भी समाज को समरसता, निरंतरता और धर्मनिष्ठा के मार्ग पर अग्रसर करने में सक्षम हैं। समागम के दौरान "वाहेगुरु जी दा खालसा, वाहेगुरु जी दी फतेह", "जो बोले सो निहाल–सत श्री अकाल" तथा "जय श्री राम" के जयकारों से सभागार ओजपूर्ण वातावरण से गूँजता रहा। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित संगत ने प्रेमपूर्वक लंगर–प्रसाद ग्रहण किया।

मुख्य अतिथि सरदार ताल सिंह जी मटू (सेवानिवृत्त प्रिंसिपल), विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य वक्ता श्री हरप्रीत सिंह गिल (कार्याध्यक्ष विहिप, पंजाब प्रांत), विशिष्ट अतिथि के रूप में सरदार हरदर्शन सिंह जी, मुख्य सेवादार गुरुद्वारा भगत नामदेव जी, सरदार मंजीत सिंह सिद्धू, मुख्य सेवादार गुरुद्वारा जोरावर सिंह, फतह सिंह, रिद्धि सिद्धि, सरदार हरगुण सिंह जी, मुख्य सेवादार गुरुद्वारा मक्खन सिंह लबाना, सरदार विचित्र सिंह जी, सेवानिवृत्त कृषि वैज्ञानिक सेवादार गुरुद्वारा श्री हरिकृष्ण साहिब, जवाहर नगर, श्री देवेन्द्र सिंह, सेवानिवृत्त अधिकारी, रामगणिया समाज के पूर्व जिलाध्यक्ष तरना दल के प्रधान बाबा हरपाल सिंह, रा.स्व.संघ के जिला संघचालक श्रीमान अमरचंद बोर्ड उपस्थित थे। विहिप–जिला अध्यक्ष उमाशंकर मित्तल, उपाध्यक्ष जगदेव सिंह बराड़, जिला मंत्री नरेश चराया एवं अन्य पदाधिकारियों ने आमंत्रित मुख्य वक्ता, मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत किया व सभी के सहयोग हेतु आभार प्रकट किया।

हिन्दू शंखनाद हिन्दुओं का अनूठा ऐतिहासिक संगम विहिप–जोधपुर प्रान्त

वीरभूमि पाली की पावन धरा पर रविवार आश्विन कृष्ण पक्ष अमावस्या विक्रम संवत 2082 तदनुसार 21 सितम्बर 2025 को 75 पूज्य संतों के पावन सानिध्य में हिन्दू शंखनाद का उद्घोष शंखध्वनि से हुआ। पाली विभाग के तीनों जिलों से 21585 उपस्थिति ऐतिहासिक हिन्दू शंखनाद के साक्षी बने।

शंख की ध्वनि से गूंजता गगन, जय श्रीराम, हर हर महादेव के स्वरों की आवाज शहरवासियों के कानों में गूंज रही थी, जैसे पाली अयोध्या मथुरा काशी बन गया हो। केवल पाली में ही नहीं वरन समूचे राजस्थान में पाली का हिन्दू शंखनाद चर्चित रहा, जिसमें सामाजिक समरसता, धर्मांतरण, नशा मुक्ति, गौ हत्या, हिन्दुओं पर हो रहे आत्याचार, मदिरों की सरकारी नियंत्रण से मुक्ति, कुटुंब प्रबोधन व जनसँख्या असंतुलन जैसे प्रमुख विषय रहे।

पूज्य जैनाचार्य श्री कमलप्रभ सागर ने हिन्दू जनसंख्या असंतुलन पर जोर देते हुए कहा कि युवा कहते हैं टू इनकम नो किड्स। चिंताएं बढ़ रही हैं कि हमारे युवा कहाँ जा रहे हैं, उन्हें समझाने की आवश्यकता है। हम दिनोंदिन कम होते जा रहे हैं, आवश्यकता है हम दो हमारे दो को छोड़कर कम से कम हम दो हमारे तीन हों।

बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक श्री नीरज दौनेरिया ने युवाओं में बढ़ते नशों की रोकथाम हेतु बजरंग दल के राष्ट्रवादी अभियान का शुभारंभ किया। युवा शक्ति कमजोर होगी तो राष्ट्र और धर्म स्वतः कमजोर हो जायेंगे। हमें नशा को देश के नक्शे से हटाना पड़ेगा, विरोधी ताकतें इसी दिशा में कार्य कर रही हैं, जिनसे हमें बचना होगा। हम सभी एक होकर इस दिशा में कार्य करें। राष्ट्रीय सह संयोजक बजरंग दल किशन जी प्रजापत ने नशा मुक्त युवा का संकल्प कराया। साध्वी समाहिता दीदी ने लव जिहाद के साथ कोख जिहाद व कुटुंब में संस्कारों की कमी की बात करते हुए कहा कि हमें अपनी बहन–बेटियों को बचा कर विश्व को प्रेरणा देने वाला समाज निर्माण करना है, जिसमें

मातृशक्ति के महत्व की भूमिका है। साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि जो हिन्दू को निशाना बना रहे हैं हम उनको सबक सिखायेंगे और भगवा कभी आतंक का पर्याय नहीं होता। केन्द्रीय मंत्री श्री शंकर जी गायकर ने कहा कि पाली में हिन्दू शंखनाद हो रहा है, किन्तु हमें हर गाँव में शंखनाद करना है, तब समरसता निर्माण होगी।

संचालन विहिप जोधपुर प्रान्त मंत्री श्री परमेश्वर जोशी एवं स्वागत उद्बोधन प्रांत संगठन मंत्री श्री राजेश जी ने दिया। पाली विभाग के 571 कार्यकर्ता, जिनमें 425 पुरुष एवं 146 बहनों ने दिन रात लगातार मेहनत कर पाली विभाग, 15 प्रखंडों के 205 खंडों में से 199 खंडों व 891 गाँवों में से 536 गाँवों का संपर्क हुआ, जिसमें 222 खंडों व 513 गाँवों की उपस्थिति रही। हिन्दू शंखनाद के लिए 400 से अधिक बैठक हुई और 349 गाँवों में श्रीफल वितरण कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए 425 पुरुष व 146 बहन कार्यकर्ता सक्रिय रूप से लगे।

विहिप नेपाल विशेष कार्यक्रम

1. कुल जिला–77, समिती युक्त जिला–59, कुल पालिका–753, कार्ययुक्त–184 पालिका,
2. राष्ट्रीय परिषद शिक्षा वर्ग कुल 77 जिलों में से 40 जिलों का कुल 172 संख्या का प्रशिक्षण पूर्ण हुआ है। नई योजना में कुल साप्ताहिक सत्संग केन्द्र 874 संख्या हुई है।
3. सामूहिक विवाह 41 जोड़ी का सम्पन्न हुआ।
4. जनकल्याण प्रतिष्ठान एकल विद्यालय 49 जिलों में 1,050. ग्रामों में संचालित हैं।
5. सत्संग सामग्री 100 स्थानों पर दिया गया और 50 वितरण होगा।
6. सिलाई सेंटर 4 स्थान में हैं, किसान प्रशिक्षण केन्द्र 1 स्थान (गौशाला सहित)
7. माननीय मिलिन्द जी के कोशी प्रदेश प्रवास में विराट नगर में मन्दिर समिति तथा युवा प्रबोधन 312 संख्या, कुटुम्ब प्रबोधन् का परिवार मिलन कार्यक्रम में 207 परिवार से 413 संख्या, झापा जिला प्रवास में मन्दिर समिति प्रबोधन कार्यक्रम में 327 संख्या, कुटुम्ब प्रबोधन् कार्यक्रम में 277 परिवार से 607 संख्या उपस्थित रही।
8. वीरगंज महानगर में 232 संख्या में युवा समिति विस्तार तथा 25 हनुमान चालीसा पाठ के बलोपासना केन्द्र निर्माण हुए हैं।

इन्द्रप्रस्थ प्रांत

18 अक्टूबर 2025 – दिल्ली में आयोजित एक ऐतिहासिक सभा में प्राचीन इंद्रप्रस्थ के गौरव को पुनः प्रतिष्ठित करने का संकल्प दोहराया गया। यह आयोजन इंद्रप्रस्थ योगक्षेम न्यास के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, इसका उद्देश्य राजा हेमचन्द्र विक्रमादित्य और अन्य हिन्दू राजाओं के स्मारक बनाने के बारे में था, जिसमें दिल्ली के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक पुनर्जागरण को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। कार्यक्रम की प्रस्तावना दिल्ली प्रांत मंत्री ने प्रस्तुत की। उन्होंने कहा "नाम केवल इसलिए नहीं बदलने चाहिए कि वे किसी आक्रांता के नाम पर हैं, बल्कि इसलिए भी कि किसी नाम का स्मरण हमारे ऐतिहासिक दृष्टिकोण को कितनी दूर तक ले जाता है। जब हम 'दिल्ली' कहते हैं तो हमारी दृष्टि केवल दो हजार वर्ष तक जाती है, पर जब हम 'इंद्रप्रस्थ' कहते हैं तो हम पाँच हजार वर्षों के गौरवशाली इतिहास से जुड़ते हैं। अतः दिल्ली का नाम बदलकर पुनः इंद्रप्रस्थ किया जाना चाहिए।" आदरणीय सांसद श्री प्रवीण खंडेलवाल जी ने कहा कि "इंद्रप्रस्थ की चर्चा पांडवों के बिना अधूरी है। शीघ्र ही इंद्रप्रस्थ क्षेत्र में पाँचों पांडवों की भव्य प्रतिमाएँ स्थापित की जाएंगी। यह मांग केवल कुछ व्यक्तियों की नहीं बल्कि हर हिन्दू के हृदय की आवाज है।" उन्होंने विहिप की सभी मांगों का समर्थन करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी को पत्र भेजा।

23 अक्टूबर 2025 – विहिप इंद्रप्रस्थ प्रांत ने जिहादी–मुक्त दिल्ली के संकल्प के साथ छठ पर्व पर विशेष पहल शुरू की है। इस पहल के अंतर्गत दिल्ली के सभी 30 जिलों में अलग–अलग स्थलों पर विहिप के स्टॉल लगाकर भक्तों को प्रमाणित, शुद्ध और उपयोगी पूजा सामग्री उपलब्ध करायी। इसके साथ ही इच्छुक हिन्दू दुकानदारों, ठेलीवालों और रेहड़ी–पटरी वालों को विहिप की ओर से सत्यापन के पश्चात् 'सनातन प्रतिष्ठा' का आधिकारिक स्टीकर प्रदान किया गया। ऐसे स्टीकर लगभग 300 दुकानदारों को दिये गये, जिससे भक्त सुविचारित और प्रमाणित स्रोत से पूजा सामग्री प्राप्त किये। विहिप इंद्रप्रस्थ के प्रांत मंत्री श्री सुरेन्द्र गुप्ता ने इस विशेष अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य हिन्दू त्योहारों पर भक्तों को शुद्ध, प्रमाणित और पारंपरिक पूजा सामग्री उपलब्ध कराना तथा धार्मिक–सांस्कृतिक स्वाभिमान को मजबूत करना।

30 नवंबर 2025 – इंद्रप्रस्थ प्रांत द्वारा कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया (स्पीकर हॉल) में एक महत्वपूर्ण जिहाद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज, राष्ट्र और मानवता के समक्ष बढ़ती चुनौतियों पर प्रकाश डालना और उनके समाधान प्रस्तुत करना था। आचार्य श्री के. आर. मनोज जी, संस्थापक एवं निदेशक–आर्य विद्या समाजम् ने विषय "समाज, राष्ट्र और मानवता के समक्ष समकालीन संकट–छह ब्रेनवॉशिंग शक्तियाँ और आर्य विद्या समाजम् के प्रमाणित समाधान" पर प्रभावी विचार रखे। उन्होंने बताया कि आज समाज को संगठित होकर इन चुनौतियों का सामना करना होगा और शिक्षा व संस्कार के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना होगा। साथ ही केरल से आचार्य जी के साथ आये प्रतिनिधि मण्डल की 12 बहनें और 2 पुरुषों ने जिहाद के ऊपर एक सुन्दर नाट्य प्रस्तुत किया। आचार्य जी ने कार्यक्रम में आए हुए सभी बन्धुओं का मार्गदर्शन किया। यह अत्यन्त ही जागरूक और भावुक करने वाला कार्यक्रम था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली की मुख्यमंत्री आदरणीय श्रीमती रेखा गुप्ता जी उपस्थित रही। उन्होंने कहा कि 'प्रेम के नाम पर लड़कियों का जीवन बर्बाद करना, धर्म परिवर्तन करवाना और उनकी शारीरिक–मानसिक स्थिति को नष्ट करना कैसे जिहाद है, यह समाज को समझना होगा ? 'केरला स्टोरी' के माध्यम से आम लोग जान पाए कि कट्टरपंथी सोच कितनी भयावह है? प्रेम शब्द हमारे वेद, उपनिषद और इतिहास का हिस्सा हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर जिहाद का मुखौटा पहनकर धर्मान्तरण का नया रूप, जिसमें नफरत, विनाश और अत्याचार है, उस सोच को खत्म करना और अपनी बेटियों को बचाना हम सबका कर्तव्य है।

(बजरंग लाल बागड़ा)
महामन्त्री

हस्तिनापुर–मेरठ, पौष कृष्ण त्रयोदशी, वि.सं. 2082, तदनुसार 17 दिसम्बर, 2025

केन्द्रीय प्रन्यासी मण्डल बैठक

जम्बू द्वीप, हस्तिनापुर, 17-18-19 दिसम्बर 2025

धार्मिक अल्पसंख्यक की योग्य एवं तार्किक परिभाषा करने की आवश्यकता

वर्तमान में धार्मिक अल्पसंख्यक – अवधारणा तथा इसके औचित्य को स्पष्टता से समझने की आवश्यकता है। भारत में अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा देकर कुछ विशेष समुदायों को धर्म के आधार पर विशेष सुविधाएँ एवं अधिकार दिए गए हैं। किन्तु कुछ समुदाय विशेष उनका दुरुपयोग कर कुछ मेडिकल एवं इंजीनियरिंग आदि उच्च शिक्षा संस्थानों में अलगाववाद की ओर बढ़ते हुए आतंकवादी एवं देशद्रोही गतिविधियों का प्रशिक्षण दे रहे हैं। इसका ज्वलन्त उदाहरण फरीदाबाद का अल – फलाह विश्वविद्यालय है।

अल्पसंख्यक अवधारणा के अन्तर्गत मात्र शिक्षा संस्थानों के ट्रस्ट/समिति की अल्पसंख्यक पहचान होना पर्याप्त नहीं है। सुझाव है कि शिक्षा के अधिकार के अन्तर्गत उनके द्वारा संचालित संस्थानों में छात्रों की संख्या 75 प्रतिशत होना आवश्यक है। किन्तु व्यवहार में वहाँ सामान्य छात्रों की संख्या अधिक होती है।

सन् 1992 में केन्द्र की काँग्रेस सरकार ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 बनाया तथा उसके बाद राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया, जिसके अन्तर्गत अल्पसंख्यकों को असीमित स्वातन्त्र्य एवं सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इस अल्पसंख्यक अवधारणा के कारण अल्पसँख्यकों के उपासना स्थल, शिक्षा केन्द्र एवं पाठ्यक्रम आदि में सरकार का कोई नियन्त्रण नहीं होने के कारण वोट बैंक की राजनीति से राष्ट्रीय एकता और अखण्डता पर गहरा संकट निर्माण हुआ है।

भारत – 'एक जन–एक राष्ट्र' है यही हमारे संविधान निर्माताओं की मूल मान्यता थी।

भारत में अल्पसंख्यकों को सामान्य जन की अपेक्षा अधिक अधिकार मिले हुए हैं। इसलिए हिन्दू समाज के अनेक वर्ग अधिक अधिकारों और सुविधाओं के लालच में स्वयं के लिए अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त करने की होड़ में लगे हैं।

इस सम्बन्ध में कुछ तथ्य उल्लेखनीय हैं –

1. भारतीय संविधान की मूल अवधारणा में अल्पसंख्यक शब्द की परिभाषा नहीं है।
2. ईसाई और इस्लाम मतावलम्बियों से मजहब के आधार पर भारत में कभी भेदभाव नहीं किया गया है।
3. वे समुदाय जिनकी जनसँख्या वृद्धि दर देश के अन्य समुदायों से अधिक है, अल्पसंख्यक कैसे हो सकता है ?
4. जब संविधान में भाषा, क्षेत्र, लिंग उपासना आदि के भेदों से ऊपर उठकर सभी को समान अधिकार दिये गए हैं, तो अल्पसंख्यक, बहुसंख्यक के आधार पर देश को समुदायों में बांटना औचित्यपूर्ण नहीं है।

अल्पसंख्यक कौन नहीं हो सकता :

1. जो समुदाय विश्व की जनसंख्या में बहुसंख्यक के रूप में क्र. 1 और 2 पर हैं जैसे ईसाई और मुसलमान।
2. ऐसे बहुराष्ट्रीय रिलीजन (Multi National Religion) जो विश्व जनसँख्या में प्रभावी हैं।
3. जिनकी जनसँख्या विश्व में और भारत में भी निरन्तर बढ़ रही है।
4. जिन समुदायों को मजहब (रिलीजन) के आधार पर उत्पीड़न नहीं झेलना पड़ा।

अब समय आ गया है कि अल्पसंख्यक की योग्य एवं तार्किक परिभाषा की जाए। विगत में सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार से अल्पसंख्यक शब्द को परिभाषित करने का आग्रह किया था, साथ ही अल्पसंख्यकवाद के खतरों से सावधान किया था। संविधान की धारा 30 में अल्पसंख्यक समुदाय को जो अधिकार एवं सुविधाएँ प्राप्त हैं, उन सभी का लाभ 'एक जन –एक राष्ट्र' की मूल मान्यता के अनुसार सम्पूर्ण भारतीय धार्मिक समुदायों को मिलना चाहिए।

विश्व हिन्दू परिषद का प्रन्यासी मण्डल देश के प्रबुद्ध जनों से इस विषय में चर्चा का अनुरोध करता है तथा भारत सरकार एवं संसद से मांग करता है कि अल्पसंख्यक शब्द की योग्य एवं तार्किक परिभाषा करें।

प्रस्तोता : श्री अशोक जी तिवारी, हरिद्वार

अनुमोदक : श्री मणिकण्डन जी, तमिलनाडू

केन्द्रीय प्रन्यासी मण्डल बैठक
जम्बू द्वीप, हस्तिनापुर, 17-18-19 दिसम्बर 2025

देश में जिहादी चुनौतियाँ और उनका समाधान

सम्पूर्ण विश्व आज मुसलमानों के एक वर्ग की अन्धविश्वास एवं कट्टरता जनित जिहादी मानसिकता से त्रस्त है। 14 दिसम्बर को ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित विश्व–प्रसिद्ध बॉन्डी बीच पर जिहादी आतंकी हमला हुआ। यह घटना इस तथ्य की पुष्टि करती है कि जिहादी आतंकवाद अब केवल भारत की ही नहीं, बल्कि अमेरिका सहित सम्पूर्ण विश्व के लिए एक गम्भीर और निरन्तर बढ़ता हुआ खतरा बन चुका है। भारत तो विगत 1300 वर्षों से इसके दंश को झेल रहा है। भारत में जिहादी आतंकवादियों को बचाने के लिए इनके अनपढ़ और अशिक्षित होने का कवच पहना दिया जाता रहा है। भारत सहित विश्वभर में अनेकों जिहादी घटनाएँ सामने आई हैं, जहाँ पढ़े लिखे डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर सम्मलित पाए जा रहे हैं। ओसामा बिन लादेन, अल जवाहरी, अफजल गुरु व डॉ. उमर उन नबी जैसे अनेक आतंकी उच्च शिक्षित थे। भारत में अभी–अभी फरीदाबाद स्थित अल–फलाह यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉक्टर मुजम्मिल को विश्वविद्यालय में आतंकी निर्माण की गतिविधियों तथा टनों विस्फोटक सामग्री के निर्माण के आरोप में गिरफ्तार भी किया है। साथ ही डॉक्टर शाहीन शाहिद सहित अनेक डॉक्टर सुरक्षा एजेन्सियों द्वारा गिरफ्तार किए गए हैं। लाल किला क्षेत्र में हुए आतंकी विस्फोट में ये सब सम्मलित रहे हैं। तात्पर्य यह कि शिक्षित और प्रोफेशनल मुसलमानों का एक वर्ग जिहाद के लिए अधिक कट्टर है और ये भारत ही नहीं अपितु दुनियाँ भर के लिए घातक हैं।

वर्तमान में इस्लाम के मूल आदेशों को समझने की आवश्यकता है, जो उन्हीं के मजहबी ग्रन्थों में वर्णित हैं। इनके यहाँ जो इस्लाम को मानता है, उसे मोमिन तथा जो इस्लाम पर विश्वास नहीं रखता, उसे काफिर माना जाता है। 1981 में दिल्ली के एक न्यायालय ने भी यह स्वीकार किया था कि कुरान की 24 आयतों में वैमनस्य फैलाने की प्रवृत्ति है। काफिरों को छल, बल तथा धन से मोमिन यानि जिहाद के माध्यम से मुसलमान बनाने के लिए हदीस में छः प्रकार बताए गए हैं, जिन्हें जानना और समझना आवश्यक है।

1. जिहाद अल नफ्स – वैचारिक आधार पर नफरत । काफिरों के प्रति मन में घृणा पालना इसका प्रारम्भ है ।
2. जिहाद बिल कलाम – प्रचार करना, सोशल मीडिया के विभिन्न तन्त्रों का उपयोग इसमें सम्मिलित है।
3. जिहाद बिल माल – जिहाद के लिए धन से सहायता करना।
4. जिहाद बिल लिसान – वाणी से या कलम से। मौलवियों, मुस्लिम नेताओं के जहरीले भाषण, लेख आदि।
5. जिहाद बिल आमाल – जिहाद को अमल में लाना (लव जिहाद, थूक जिहाद, लैंड जिहाद, शिक्षा जिहाद। विभिन्न तन्त्रों पर जिहादियों के नियन्त्रण के प्रयास आदि इसके अन्तर्गत आते हैं)।
6. जिहाद अल किताल – घात लगाकर काफिरों पर हमला करना, प्रत्यक्ष युद्ध (बम विस्फोट, नरसंहार, त्योहारों पर हमले, गौहत्या, पत्थरबाजी आदि सब इसमें सम्मिलित हैं)।

जिहाद का यह क्रम विश्व–मानवता, भारत के संविधान और सामाजिक सन्तुलन के लिए गंभीर खतरा है। यह राष्ट्र की सुरक्षा और सामाजिक अखण्डता पर सीधा प्रहार है। हदीस के इन सन्दर्भों से समझा जा सकता है कि विगत 1400 वर्ष पूर्व जिनके पास पाँच गाँव नहीं थे, आज उनके 56 देश कैसे बन गए?

विश्व हिन्दू परिषद का प्रन्यासी मण्डल केन्द्र सरकार और सभी राज्य सरकारों से यह मांग करता है कि –

- ❖ जिहादी मानसिकता का बीजारोपण करने वाले मदरसों को पूर्ण रूप से सरकारी नियन्त्रण में लाया जाए, वहाँ के पाठ्यक्रम और सभी शिक्षकों पर निगरानी रखी जाए। देश के सभी अवैध मदरसों एवं मस्जिदों को बन्द किया जाए। मदरसों का वित्तीय अंकेक्षण और पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाए तथा उन्हें किसी प्रकार की वित्तीय सहायता न दी जाए। मदरसा–शिक्षा (तालीम) के स्थान पर राष्ट्रवादी शिक्षा लागू की जाए। इस्लामिक कट्टरपन्थी साहित्य पर प्रतिबन्ध लगाया जाए तथा इस्लामिक शिक्षा संस्थानों में चल रही अराष्ट्रीय गतिविधियों की जाँच की जाए एवं दोषी पाए जाने पर अविलम्ब कार्यवाही की जाए।
- ❖ बांग्लादेशी, रोहिंग्या घुसपैठियों और अन्य मुस्लिम घुसपैठियों को देश से अविलम्ब बाहर निकाला जाए।
- ❖ जिहादी वित्तीय तन्त्र पर कठोर नियन्त्रण करें तथा इस्लामिक बैंकिंग और हलाल इकोनॉमी पर कठोर कार्यवाही करें।
- ❖ समान नागरिक संहिता लागू की जाए।

विश्व हिन्दू परिषद का प्रन्यासी मण्डल इस चुनौती के समाधान हेतु हिन्दू समाज से आह्वान करता है कि –

- ❖ हिन्दू जन्म दर कम ना होने दें।
- ❖ अपने–अपने क्षेत्र में होने वाली कोई भी अराष्ट्रीय या हिन्दू विरोधी घटना की जानकारी स्थानीय प्रशासन या संगठन को दें एवं स्वयं भी समाज को साथ लेकर उसका प्रतिकार करें।
- ❖ अपनी सन्तानों को हिन्दू संस्कारों से युक्त कर राष्ट्रवादी बनाएँ ताकि भविष्य में आने वाली किसी भी चुनौती का वे सामना कर सकें।
- ❖ सामाजिक संगठनों, मन्दिरों, शिक्षा संस्थानों तथा

सांस्कृतिक मंचों के माध्यम से जागरूकता, संवाद और वैचारिक प्रशिक्षण को सुदृढ़ करें।

- हिन्दुओं को बदनाम करने के लिए सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाले झूठे, भड़काऊ तथा राष्ट्रविरोधी अपप्रचार का तथ्यात्मक प्रतिकार करें।

विश्व हिन्दू परिषद के प्रन्यासी मण्डल का मत है कि जिहाद केवल न्याय व्यवस्था का विषय नहीं है, अपितु एक धार्मिक विश्वास है, जिसको मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग मानता है। इससे वैचारिक आधार पर संघर्ष करना होगा। यह समझना होगा कि हिंसा का यह मार्ग वर्तमान मानवीय मूल्यों से मेल नहीं खाता है। इसमें अपेक्षित सुधार लाना होगा।

प्रस्तोता : श्री विजय शंकर तिवारी – गाजियाबाद
अनुमोदक : श्री रवि कुमार – विजयवाड़ा

वक्तव्य

मन्दिर की दानराशि एवं चल-अचल सम्पत्ति का उपयोग हिन्दूसमाज के लिए ही हो

- मन्दिर हिन्दू–आस्था के केन्द्र तथा पूजा हिन्दू समाज का सहज स्वभाव है। प्राचीन काल से ही मन्दिर धार्मिक जागरण एवं समाज–संचालन के प्रमुख केन्द्र रहे हैं। मन्दिरों द्वारा वेदशाला, आरोग्य शाला, संगीत शाला, गौशाला, मल्लशाला इन पंच शालाओं के साथ–साथ न्यायदान का कार्य भी सम्पादित किया जाता था। अपने देश में जब तक मन्दिर अपनी मूल भूमिका के साथ सक्रिय थे, तब तक देश, समाज और परिवार संस्था भी सुरक्षित और संस्कारित थी। मुगल शासनकाल में मन्दिर नष्ट–भ्रष्ट करने का प्रयत्न लम्बे समय तक चला, तब सर्व सामान्य समाज ने मन्दिर की रक्षा के लिए स्वयं का बलिदान दिया। मन्दिरों की सम्पन्नता को देखकर अंग्रेज सरकार ने कानून बनाकर मन्दिरों के धन का दुरुपयोग करने का मार्ग ही खोल दिया। अभी तक भारत में राज्य सरकारों द्वारा मन्दिरों के धन का दुरुपयोग चल रहा है। यह कदापि उचित नहीं है। हिन्दूसमाज श्रद्धा और आस्था से मन्दिरों में धन अर्पित करता है, सरकार द्वारा इस धन से धर्म विरोधी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाता है। मन्दिरों की जमीन का भी दुरुपयोग होता है। राज्य सरकारें मस्जिद और चर्च को धर्मांतरण और राष्ट्र–विरोधी गतिविधियों को चलाने की खुली छूट देती हैं।
- मन्दिर भारत की प्राचीन व्यवस्था के प्रमुख अंग थे। लाखों वर्षों तक हिन्दू समाज ने मन्दिरों का संवर्धन किया है। यहाँ के समाज को मन्दिर प्रबन्धन का दीर्घकालीन अनुभव है। अंग्रेजों ने मन्दिर के धन पर कब्ज़ा करने के लिए कानून बनाए और दुर्भाग्य से स्वाधीनता के पश्चात् भी भारत सरकार ने मन्दिरों की गरिमा और सामाजिक हित की ओर ध्यान न देते हुए अंग्रेजों की नीति को कानून के नाम से आगे बढ़ाया। इसी कारण मन्दिरों की दुर्दशा हुई तथा वही धन का दुरूपयोग हो रहा है।
- केरल के प्रसिद्ध शबरीमला मन्दिर के द्वार पर लगा हुआ करोड़ों रुपये के सोने पर सरकार द्वारा कब्जा किया गया है। वायनाड के विष्णु मन्दिर मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा "मन्दिरों का चढ़ावा और धन भगवान की सम्पत्ति है। इसे केवल मन्दिर के हित में ही उपयोग किया जाए या सुरक्षित रखा जाए। इसे निजी या सरकारी बैंकों को डूबने से बचाने के लिए उपयोग में नहीं लाया जा सकता। मन्दिरों का धन केवल राष्ट्रीय बैंकों में ही रखा जाए, ताकि उचित ब्याज मन्दिरों को प्राप्त हो सके।"
- सर्वोच्च न्यायालय ने मद्रास हाईकोर्ट के निर्णय को सुरक्षित रखा, जिसमें मन्दिर के कोष से मैरिज हॉल बनाने की अनुमति देने वाले कर्नाटक राज्य सरकार के आदेश को रद्द कर दिया था। कर्नाटक में एक और मामले पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि मन्दिर बोर्ड में केवल हिन्दू होने चाहिए।
- तमिलनाडू – चेन्नई हाईकोर्ट में राज्य सरकार द्वारा यह लिखित रूप से दिया गया – सन् 1977 से अब तक राज्य सरकार द्वारा मन्दिरों से 5 लाख किलो सोना लेकर उसे पिघलाकर बैंक में रखा गया है। जिससे राज्य सरकार को करोड़ों रुपये का ब्याज मिलता है। सरकार का कहना है की यह धन मन्दिरों के विकास कार्य में लग रहा है। जबकि एक सर्वेक्षण के अनुसार तमिलनाडू राज्य में अभी तक 12000 मन्दिर बन्द हो गए हैं। 37000 मन्दिरों में चपरासी से लेकर पुजारी तक एक ही व्यक्ति नियुक्त किया है।
- तमिलनाडू का मन्दिर जमीन घोटाला – तमिलनाडू में मन्दिर के 50 हजार एकड़ जमीन का घोटाला सामने आया है।
- सन–1984–85 में HRCA विभाग के Record के अनुसार तमिलनाडू में मन्दिरों की 5 लाख 25 हजार एकड़ जमीन थी। सन् 2019–20 में उसी Department का policy note कहता है कि – तमिलनाडू में मन्दिरों की 4 लाख 78 हजार एकड़ जमीन है। तो हाईकोर्ट ने उन्हें पूछा कि 20 साल में – मन्दिरों की 47000 एकड़ जमीन कहाँ गई ? वास्तविक बात यह है की बची हुई 4 लाख 78000 एकड़ जमीन जो सरकार के पास है, उसपर भी अतिक्रमण है।
- सन 2021 में हाईकोर्ट ने यह जमीन खाली कराने का आदेश राज्य सरकार को दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फिर हाईकोर्ट को इस मामले में ध्यान केन्द्रित करने को कहा। 16 सितम्बर 2025 को फिर इसी प्रकार का आदेश आया। इस जमीन पर 27 सरकारी अधिकारी, 49 उद्योजक, 38 प्रभावशाली व्यक्तियों का अवैध कब्जा है, ऐसा हाईकोर्ट ने कहा। अभी तक जमीन खाली नहीं हुई है।
- तमिलनाडू में "कार्तीगई दीपम्" की परम्परा पर विवाद खड़ा हुआ है। हिन्दू धर्म प्रकाश का उपासक है, इसलिए दीपावली का पर्व सर्वत्र मनाया जाता है। मदुरई के पास तिरुपरक कुन्द्रम पहाड़ी पर स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मन्दिर में छठी शताब्दी से कार्तिक मास में भगवान मुरुगन के जन्म से जुड़ा दीप प्रज्ज्वलन होता आ रहा है।

यह प्राचीन परम्परा छठी शताब्दी से चली आ रही है। सत्रहवीं शताब्दी में मन्दिर के पास बनी मजार के आधार पर अब इस परम्परा का विरोध करते हुए कोर्ट का सहारा लिया गया है।

- उच्च न्यायालय ने दीप जलाने की परम्परा को जारी रखने का आदेश दिया, तो हिन्दू विरोधी शक्तियाँ उनके विरोध में महाभियोग लाने का षडयन्त्र रच रही हैं। 100 से अधिक संसद सदस्यों ने हस्ताक्षर कर के महाभियोग का प्रस्ताव लोक सभा अध्यक्ष के समक्ष रखा है। यह इस देश की न्याय व्यवस्था के विरुद्ध देशद्रोही वामपन्थियों के द्वारा की जा रही अवमानना है, जो लोकतान्त्रिक भारत के संविधान और न्यायव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा खतरा है।
- जुलाई–2024 में आन्ध्र प्रदेश में राज्य सरकार बदलते ही श्री तिरुपति बालाजी मन्दिर में पवित्र प्रसाद के लिए जो घी का उपयोग किया गया, उसमें पाम तेल, जानवरों की चरबी और मछली का तेल पाया गया।
- तिरुपति मन्दिर में दान राशि देने वाले भक्तों को आशीर्वाद के रूप में सिल्क की चुनरी भेंट की जाती है। इसमें भी 54 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। सन् 2015 से 2025 तक यह भ्रष्टाचार चलता रहा। यह सनातन धर्म की आस्था के साथ कैसा खिलवाड़ हो रहा है।
- बिहार में तो 80 प्रतिशत मन्दिरों की जमीन पर अवैध कब्जा है। राजस्थान में भी बहुत बड़े पैमाने पर मन्दिरों की जमीन अवैध रूप से बेची जा रही है। आन्ध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में सरकार ने मन्दिरों की 500 एकड़ जमीन बेचने के निर्देश दिए हैं।
- जम्मू कश्मीर –
- माता वैष्णों देवी श्राईन बोर्ड के द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेज में – 50 में से 46 छात्र मुस्लिम हैं। श्राइन बोर्ड में 1200 कर्मचारियों में से 417 मुस्लिम हैं। यह भी हिन्दू भाविकों के दान रूपी धन का दुरुपयोग है।

मन्दिरों में अहिन्दू एवं सनातन के प्रति आस्था शून्य प्रशासकों की नियुक्ति के कारण ही ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण प्रसंग घटित होते हैं, अतः आवश्यकता है कि मन्दिर प्रबन्धन मन्दिरों के प्रति श्रद्धावान व्यक्ति एवं संस्थाओं द्वारा संचालित किया जाए।

इस प्रकार से केवल हिन्दू मन्दिरों का धन और जमीनों की लूट की जा रही है। इसलिए सम्पूर्ण देशभर में मन्दिर के लिए एक समान कानून होना आवश्यक है, मन्दिर सरकार के नियन्त्रण से मुक्त होना भी आवश्यक है।

विश्व हिन्दू परिषद के प्रन्यासी मण्डल का स्पष्ट मत है कि Hindu Money for Hindu Causes – हिन्दू मन्दिरों की दानराशि एवं चल–अचल सम्पत्ति का उपयोग केवल हिन्दू समाज के हित के लिए ही हो।

राष्ट्रगीत वन्देमातरम् के १५० वर्ष

मातृभूमि की आराधना और सम्पूर्ण राष्ट्र जीवन में चेतना का संचार करने वाले अद्भुत गीत वन्देमातरम् की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के शुभ अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद राष्ट्रगीत के रचयिता श्रद्धेय बंकिम चन्द्र चटर्जी को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करती है। 1875 में रचित इस गीत को 1896 में कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रकवि श्रद्धेय रविन्द्र नाथ टैगोर ने सस्वर गाकर श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध कर दिया था। तब से यह गीत देशभक्ति का दीक्षा मन्त्र ही नहीं, अपितु राष्ट्रीय उद्घोष, राष्ट्रीय चेतना तथा राष्ट्र की आत्मा का प्रतिध्वनि बन गया है। वन्देमातरम् आज भी आबाल वृद्ध, सभी पीढ़ी के नागरिकों पर प्रेरक प्रभाव रखता है। इसका उच्चारण मात्र ही लोगों का हृदय स्फूर्ति से भर देश के लिए समर्पण करने हेतु प्रेरणा प्रदान करता है।

यह गीत भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम का प्रेरणा स्रोत बन क्रान्ति का मन्त्र बन गया था। इस मन्त्र का उच्चारण करते हुए क्रान्तिकारी सब प्रकार की यातनाओं को हंसते–हंसते सहन करते थे और अपने जीवन को न्यौछावर कर देते थे। नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक परम पूज्य डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार के बचपन की एक घटना से वन्देमातरम् के राष्ट्रव्यापी स्पन्दन की गहराई को समझा जा सकता है। इस महामन्त्र की व्यापकता को इस बात से समझा जा सकता है कि देश के अनेक विद्वानों और महापुरुषों जैसे महर्षि श्री अरविन्द, मैडम भीकाजी कामा, लाला हरदयाल, लाला लाजपत राय आदि ने अपने पत्र पत्रिकाओं के नाम में वन्देमातरम् जोड़ दिया था। महात्मा गाँधी भी कई वर्षो तक अपने पत्रों का समापन वन्देमातरम् के साथ करते रहे।

1907 तक के सभी आंदोलनों का मूल मन्त्र वन्देमातरम् ही था। स्वतन्त्रता संग्राम के सबसे प्रभावी एवं सफल आन्दोलन "बंग भंग आन्दोलन" की प्रेरणा वन्देमातरम् महामन्त्र ही था। आन्दोलनकारी इस महामन्त्र का जाप करते–करते सब प्रकार के अत्याचारों को सहन कर लेते थे। उस समय तक देश के सभी वर्ग मिलकर इस गीत का गायन करते थे। "विभाजन करो और राज करो" की नीति पर काम कर रही अँग्रेज सरकार इससे परेशान हो गई और वन्देमातरम् के गान पर 1907 में प्रतिबन्ध लगा दिया।1907 तक वन्देमातरम् का गायन करने वाले मुस्लिम नेताओं के एक समूह ने अचानक 1908 में काँग्रेस के अधिवेशन में वन्देमातरम् के गायन का विरोध किया। मुस्लिम तुष्टीकरण के कारण कुछ लोगों ने इस विरोध को तूल दिया। तब से वन्देमातरम् के विरोध के नाम पर पृथकतावादी राजनीति का प्रारम्भ हो गया।

वन्देमातरम् राष्ट्र की आत्मा का गान है, जो हर किसी को प्रेरणा देता है। 150 वर्ष बाद भी यह मन्त्र सम्पूर्ण देश को राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना से ओत–प्रोत करने की क्षमता रखता है। राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण की इस पावन बेला में इस महामन्त्र को हृदयंगम करने की आवश्यकता है। आज जब क्षेत्र, भाषा, जाति आदि के आधार पर विभाजन करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, तब वन्देमातरम् वह सूत्र है, जो हमें एक रख सकता है। भारत के सभी क्षेत्रों, जातियों एवं भाषाओं में इसकी सहज स्वीकृति है। यह आज भी राष्ट्रीय जीवन की चेतना, सांस्कृतिक पहचान और एकात्मक भाव का स्थायी आधार है। यह तथ्य सम्पूर्ण राष्ट्र को विदित ही है कि मुस्लिम तुष्टीकरण के कारण ही राष्ट्र गीत का विभाजन किया गया था। सम्पूर्ण गीत में ही राष्ट्र की आत्मा परिलक्षित होती है।

विश्व हिन्दू परिषद राष्ट्र का आह्वान करती है कि सम्पूर्ण वन्देमातरम् का ही पठन किया जाए तथा इसे कंठस्थ कर विभिन्न कार्यक्रमों में भी सम्पूर्ण गीत का ही गायन किया जाए। राष्ट्र गीत के सामूहिक गायन के कार्यक्रमों का अधिक से अधिक संख्या में आयोजन करना चाहिए और इन कार्यक्रमों में समाज की प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

दिल्ली में विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक में धर्मस्वातंत्र्य विधेयक, नशामुक्ति, जनगणना तथा सरकारी नियंत्रण से मंदिरों की मुक्ति जैसे विषयों पर चर्चा तथा कार्ययोजना पर पूज्य धर्माचार्यों ने महत्व के निर्णय लिये

विहिप के विश्व विभाग के पूर्व महामंत्री व उपाध्यक्ष तथा हिंदू - बौद्ध समन्वय में दक्ष श्री मोहन धर दीवान जी का देवलोक गमन

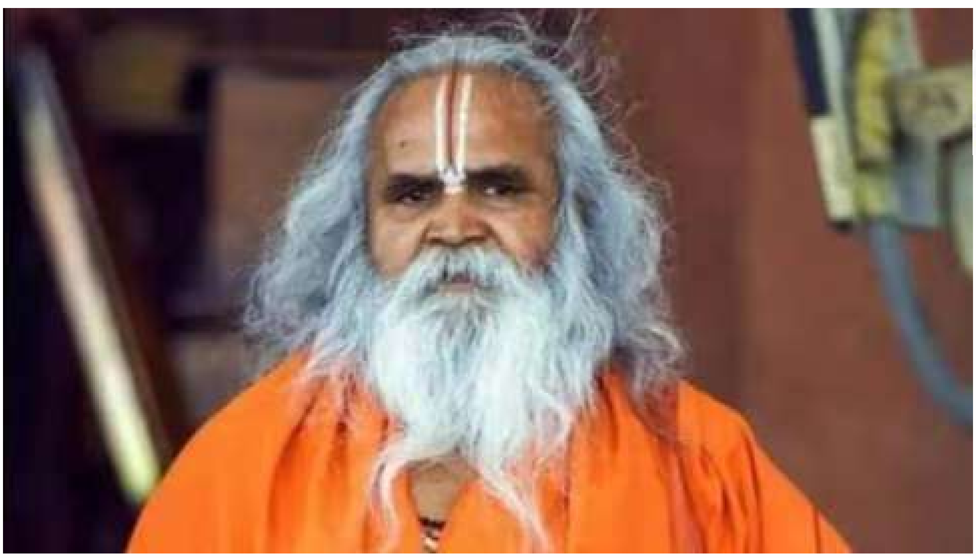

श्री राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए अग्रणी रहे पूर्व सांसद और प्रख्यात संत डॉ. रामविलास दास वेदांती जी महाराज का देवलोक गमन। विश्व हिन्दू परिषद एवं 'हिन्दू विश्व' की ओर से हार्दिक श्रद्धांजली !

"LPC DELHI, DELHI PSO, DELHI RMS, DELHI-6
email:hinduvishwa@gmail.com
website: www.vhp.org

Postal Regd. No. DL-SW-01/4031/24-26
समाचार पत्र पंजी. सं. 68516 / 98
प्रकाशन तिथि : 28.12.2025
प्रेषण तिथि : 14-15 (अग्रिम-पाक्षिक)

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

सशक्त महिला - समृद्ध राजस्थान

5 लाख लाभार्थी महिलाएं
₹170 करोड़ का भुगतान
मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना

24,686 कन्याएं
₹96.24 करोड़ का अनुदान
कन्या विवाह

बालिका जन्म पर **₹1 लाख से** बढ़ाकर ₹**1.50 लाख**
लाडो प्रोत्साहन योजना

20 प्रतिशत की वृद्धि
आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय

2,216 पद स्वीकृत
तीन महिला बटालियन

9.92 लाख महिलाएं
₹531 करोड़ का अनुदान
देय राशि **5,000 से बढ़ाकर 6,500**
प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

7,446 लाभान्वित जोड़े
₹20.36 करोड़ का अनुदान
सामूहिक विवाह योजना

₹450 में घरेलू गैस सिलेंडर
₹867 करोड़ का अनुदान
मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना

19.24 लाख पेंशनरों को
₹6,234 करोड़ का भुगतान
एकल नारी सम्मान पेंशन योजना

20 प्रतिशत बढ़ाकर
₹6,428 प्रतिमाह
साथिन का मानदेय

1.37 लाख स्वयं सहायता समूहों को
₹669 करोड़ की राशि
महिला आजीविका संवर्धन

19.45 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण
12.06 लाख महिलाएं
लखपति दीदी

500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट
500 स्कूटी
2,000 कॉन्स्टेबल पदों का सृजन
महिला सुरक्षा

90 वन धन विकास केंद्र गठित
15,878 जनजाति महिलाएं लाभान्वित
पीएम-जन मन योजना

10.51 लाख साइकिलें
39,586 स्कूटियां
छात्राओं को वितरण

4.18 लाख पेंशनरों को
₹647.58 करोड़ का भुगतान
विधवा पेंशन योजना

₹215.66 करोड़
2,418 ऋण आवेदन
मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना

2.21 लाख को
₹4,992 करोड़
स्वयं सहायता समूहों को ऋण

58,397 छात्राओं को
₹102.80 करोड़ की प्रोत्साहन राशि
कृषि अध्ययन को बढ़ावा

1.22 करोड़ महिलाओं एवं बालिकाओं को
प्रति माह 12 नैपकिन
नि:शुल्क सैनेटरी नैपकिन

4.14 लाख बालिकाएं
₹181 करोड़
बालिकाओं को विभिन्न योजनाओं में सहायता

राजस्थान संवाद

दो वर्ष की उपलब्धि - आत्मनिर्भर महिला शक्ति

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

प्रकाशक व मुद्रक हरिशंकर द्वारा सचिव, साहित्य एवं दृक्श्राव्य सेवा न्यास की ओर से 'रॉयल प्रेस' बी–82, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया फेस–1, नई दिल्ली–110020 से छपवाकर संकटमोचन आश्रम, सेक्टर–6, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली–22 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय शंकर तिवारी